दैनिक
भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'जीवन में महान बनने के लिए ऊँची आवाज़ नहीं, बल्कि ऊँचे विचार और शांत आचरण की आवश्यकता होती है। जो व्यक्ति सत्य, धैर्य और सद्भाव के साथ चलता है, वही समाज में स्थायी सम्मान प्राप्त करता है।'

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-105 | झुंझुनू (राजस्थान) | मंगलवार, 10 मार्च, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार

Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

जनसंख्या नियंत्रण कानून में बदलाव – दूरदर्शिता का अभाव या राजनीतिक मजबूरी?

राजस्थान की पंचायत राज व्यवस्था में हाल ही में किया गया एक संशोधन प्रदेश की राजनीति और समाज में नई बहस को जन्म दे रहा है। राज्य सरकार ने पंचायत राज अधिनियम में बदलाव करते हुए यह प्रावधान समाप्त कर दिया है कि दो से अधिक संतान वाले व्यक्ति पंचायत राज संस्थाओं के चुनाव नहीं लड़ सकते। यह संशोधन विधानसभा में पारित हो चुका है, लेकिन इसके पीछे की मंशा और इसके संभावित सामाजिक प्रभावों को लेकर गंभीर प्रश्न खड़े हो रहे हैं। यह नियम लगभग तीन दशक पहले तत्कालीन सरकार के समय लागू किया गया था। उस समय प्रदेश में तेजी से बढ़ती जनसंख्या को नियंत्रित करने के लिए इसे एक सामाजिक प्रयोग के रूप में देखा गया था। इस कानून का मूल उद्देश्य यह था कि जो व्यक्ति गांव और समाज का नेतृत्व करना चाहता है, वह पहले स्वयं परिवार नियोजन की जिम्मेदारी को समझे और उसका पालन करे। यह एक प्रकार का नैतिक संदेश भी था कि जनप्रतिनिधि समाज के लिए आदर्श प्रस्तुत करें।

समय के साथ यह नियम पंचायत चुनावों की एक महत्वपूर्ण शर्त बन गया। लाखों ऐसे लोग थे जिन्होंने पंचायत राज संस्थाओं में चुनाव लड़ने की आकांक्षा को ध्यान में रखते हुए स्वेच्छा से परिवार नियोजन को अपनाया। इस प्रकार यह कानून केवल कानूनी प्रावधान नहीं रहा, बल्कि सामाजिक जागरूकता का माध्यम भी बन गया। ग्रामीण समाज में जनसंख्या नियंत्रण के प्रति एक सकारात्मक मानसिकता विकसित होने लगी थी। अब जब इस नियम को समाप्त कर दिया गया है, तो स्वाभाविक रूप से यह प्रश्न उठता है कि आखिर इसकी आवश्यकता क्यों पड़ी? क्या पंचायत राज संस्थाओं में ऐसे सक्षम और योग्य लोग वंचित रह गए थे जिन्हें केवल इस शर्त के कारण चुनाव लड़ने का अवसर नहीं मिल पा रहा था? या फिर यह निर्णय केवल राजनीतिक दबाव और वोट बैंक की राजनीति का परिणाम है? सरकार का तर्क यह हो सकता है कि लोकतंत्र में हर नागरिक को चुनाव लड़ने का अधिकार होना चाहिए और व्यक्तिगत जीवन के आधार पर किसी को इस अधिकार से वंचित करना उचित नहीं है। यह तर्क अपनी जगह सही प्रतीत होता है, लेकिन इसका दूसरा पहलू भी उतना ही महत्वपूर्ण है। जब कोई व्यक्ति सार्वजनिक जीवन में नेतृत्व की भूमिका निभाना चाहता है, तो उससे समाज के प्रति अधिक जिम्मेदारी और अनुशासन की अपेक्षा भी की जाती है।

विशेष रूप से ग्रामीण भारत में जनसंख्या वृद्धि की समस्या अभी भी एक गंभीर चुनौती है। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और संसाधनों पर बढ़ता दबाव इसका स्पष्ट उदाहरण है। ऐसे में यदि जनप्रतिनिधियों के लिए परिवार नियोजन जैसी शर्त समाप्त कर दी जाती है, तो इससे समाज में गलत संदेश जाने की आशंका भी है। यह संदेश यह हो सकता है कि जनसंख्या नियंत्रण अब नेतृत्व की प्राथमिकताओं में शामिल नहीं रहा। इस संशोधन के संदर्भ में एक और महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है। यदि सरकार पंचायत राज संस्थाओं के चुनाव के लिए इस शर्त को समाप्त कर सकती है, तो फिर अन्य सरकारी सेवाओं में यह नियम क्यों बना हुआ है? उदाहरण के लिए, शिक्षा विभाग में आज भी दो से अधिक संतान वाले कर्मचारियों को नौकरी या पदोन्नति के अवसरों से वंचित रहना पड़ता है। यदि यह नियम पंचायत प्रतिनिधियों के लिए अनुपयुक्त माना जा रहा है, तो फिर शिक्षकों और अन्य सरकारी कर्मचारियों पर इसे लागू रखना किस हद तक न्यायसंगत है? समाज के एक वर्ग का यह भी मानना है कि यह निर्णय दूरगामी परिणामों को ध्यान में रखकर नहीं लिया गया है। पिछले तीन दशकों में यह नियम जनसंख्या नियंत्रण की दिशा में एक प्रेरक कारक बना हुआ था। लाखों संभावित प्रत्याशियों ने केवल इस शर्त के कारण अपने परिवार को सीमित रखने का निर्णय लिया था। यह एक प्रकार से सामाजिक सुधार का अनोखा प्रयोग था, जिसने बिना किसी कठोर दंड के लोगों को जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। इसके अतिरिक्त, ग्रामीण समाज में लिंगभेद की समस्या भी एक वास्तविकता है। कई परिवारों में पुत्र की चाहत में लगातार संतानों को जन्म देने की प्रवृत्ति अभी भी देखी जाती है। ऐसे में यदि नेतृत्व की पात्रता से परिवार नियोजन की शर्त हटा दी जाती है, तो यह प्रवृत्ति और मजबूत हो सकती है। यह स्थिति सामाजिक संतुलन और महिलाओं के अधिकारों के लिए भी चिंता का विषय बन सकती है। लोकतंत्र में कानून केवल अधिकार देने के लिए नहीं बनाए जाते, बल्कि समाज को सही दिशा देने के लिए भी बनाए जाते हैं। जनसंख्या नियंत्रण का यह प्रावधान इसी उद्देश्य से लाया गया था। इसलिए इसे समाप्त करने से पहले व्यापक सामाजिक संवाद और गंभीर चिंतन की आवश्यकता थी। आज आवश्यकता इस बात की है कि सरकार इस निर्णय के पीछे की स्पष्ट मंशा और दीर्घकालिक नीति को जनता के सामने रखे। साथ ही यदि यह नियम वास्तव में अनुचित था, तो फिर इसे सभी सरकारी क्षेत्रों में समान रूप से समाप्त किया जाना चाहिए। अन्यथा यह संशोधन केवल एक राजनीतिक निर्णय बनकर रह जाएगा।

अंततः यह सवाल केवल एक कानून का नहीं है, बल्कि समाज की दिशा और भविष्य का है। जनसंख्या नियंत्रण केवल सरकारी नीतियों से नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी से संभव होता है। यदि नेतृत्व ही इस जिम्मेदारी से मुक्त हो जाएगा, तो आने वाले समय में इसके दुष्परिणाम समाज को भुगतने पड़ सकते हैं।

दो से ज्यादा बच्चे वाले भी बन सकेंगे पंच-सरपंच:विधानसभा में बिल पारित

डोटासरा बोले
भाजपा भैरोंसिंह शेखावत का अपमान कर रही

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर। विधानसभा में आज पंचायतीराज चुनावों में दो बच्चों की बाध्यता हटाने वाला राजस्थान पंचायतीराज संशोधन विधेयक 2026 को बहस के बाद पारित कर दिया गया। राजस्थान पंचायतीराज संशोधन बिल में राजस्थान पंचायतीराज कानून की धारा 19 में संशोधन किया गया है। धारा 19 में पंचायतीराज चुनाव लड़ने के लिए दो से ज्यादा बच्चों की बाध्यता के प्रावधान को हटा दिया है। अब वार्ड पंच, सरपंच, पंचायत समिति सदस्य, जिला परिषद सदस्य, प्रधान और जिला प्रमुख के लिए बच्चों की बाध्यता नहीं रहेगी। 31 साल पहले तत्कालीन भैरोंसिंह शेखावत सरकार ने पंचायतीराज और शहरी निकायों के चुनावों में दो बच्चों की बाध्यता लागू की थी। इस प्रावधान को आज विधानसभा में बिल पारित कर खत्म कर दिया गया है। पंचायतीराज संशोधन बिल को 5 मार्च को विधानसभा में रखा गया था, जिसे बहस के बाद पारित कर दिया गया।

गांवों की सियासत बदलेगी - यह बिल पारित होने के बाद अब दो से ज्यादा बच्चों वाले नेताओं को राहत मिलेगी। अब तक जो नेता दो से ज्यादा बच्चों के कारण पंचायतीराज चुनाव नहीं लड़ पाते थे, अब बाध्यता हटने से आने वाले पंचायतीराज चुनावों में उनके लिए चुनाव लड़ने का रास्ता साफ हो गया है। इस प्रावधान के बाद पंचायतीराज चुनावों में नेताओं के बीच प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। जो नेता दो बच्चों के प्रावधान से चुनाव नहीं लड़ पाते थे, अब वे फिर से मैदान में आ जाएंगे। इससे स्थानीय सियासी समीकरण भी प्रभावित होंगे।

बिल राज्यपाल की मंजूरी के लिए जाएगा, इसके बाद नोटिफिकेशन जारी होगा पंचायतीराज संशोधन बिल को राज्यपाल की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। राज्यपाल की मंजूरी मिलते ही गजट नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा। नोटिफिकेशन जारी होते ही पंचायतीराज चुनावों में दो बच्चों की बाध्यता हटने का कानून लागू माना जाएगा।

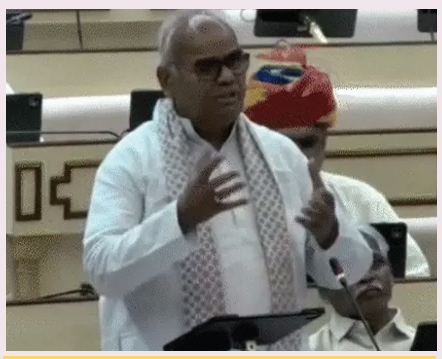

शहरी निकाय चुनावों में दो बच्चों की बाध्यता खत्म करने वाला बिल कल पास होगा

शहरी निकायों के चुनाव लड़ने के लिए दो बच्चों की बाध्यता खत्म करने के लिए राजस्थान नगरपालिका संशोधन बिल मंगलवार को बहस के बाद पारित करवाया जाएगा।

अजमेर में खुलेगी आयुर्वेद-योग यूनिवर्सिटी

विधानसभा में आज बहस के बाद राजस्थान आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित?सा विश?वविद्यालय, अजमेर विधेयक 2026 को पारित कर दिया गया।

5 मार्च को इस बिल को विधानसभा में रखा गया था। बहस के दौरान कई विधायकों ने इस विश्वविद्यालय का नाम आयुष विश्वविद्यालय करने का सुझाव दिया।

दिलावर बोले- डोटासरा ने भांग खाकर स्कूल खोले

इससे पहले कांग्रेस राज में खोले गए अंग्रेजी मीडियम और स्वामी विवेकानंद मॉडल स्कूलों में खाली पदों से जुड़े सवाल पर विधानसभा में नोकझोंक और हंगामा हुआ। बीजेपी विधायक बालकनाथ के सवाल पर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा- कांग्रेस सरकार ने 3737 स्कूलों को अंग्रेजी मीडियम में बदल दिया। लेकिन एक भी पद सृजित नहीं किया। शिक्षा मंत्री के जवाब पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा- कांग्रेस राज में महात्मा गांधी अंग्रेजी मीडियम स्कूलों का कैडर बना दिया था, उनका क्या हुआ? विवेकानंद मॉडल स्कूलों में अभी कितने पद खाली हैं? दिलावर ने कहा- कई स्कूल तो ऐसे हैं जहां एक बच्चा, दो बच्चे, 10 बच्चे हैं। वहां आप चाहते हैं सारे ग्रेड के टीचर लगाएं, ऐसा कैसे संभव है? जीरो, दो, 10 बच्चों पर स्कूल चलते हैं क्या? पता नहीं भांग खाकर स्कूल खोल दिए। शिक्षा मंत्री रहते डोटासराजी ने भांग खाई हुई थी। दिलावर के कमेंट पर जूली ने आपत्ति जताते हुए कहा- आप शिक्षा मंत्री हो। आप यह क्या जवाब दे रहे हो? लगता है आप भांग खाकर जवाब दे रहे हो? इस पर दिलावर ने कहा- आपको नहीं, डोटासराजी के लिए कहा है। उस समय डोटासरा शिक्षा मंत्री थे।

140 स्थायी और 700 टेंपरेरी कोच भर्ती होंगे

खेल विभाग में 140 स्थायी और 700 टेंपरेरी कोच की भर्ती होगी। निर्दलीय विधायक यूनूस खान के सवाल के जवाब में खेल मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा- खेल विभाग ने 2012 के बाद पहली बार भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी है। 140 परमानेंट कोच की भर्ती के लिए वित्त विभाग से मंजूरी मिल चुकी है। कर्मचारी चयन बोर्ड आगे कार्यवाही कर रहा है। 700 टेंपरेरी कोच भी हम लेंगे, जिससे प्रदेश के ज्यादातर खेल प्रशिक्षण केंद्रों पर कोच लग जाएंगे।

किरोड़ी ने माना मनरेगा में समय पर भुगतान नहीं होता

विधानसभा में ग्रामीण विकास मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने माना है कि मनरेगा में समय पर मजदूरी का भुगतान नहीं होता। अलग-अलग कारणों से मजदूरी के भुगतान में देरी होती है।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने पूरक सवाल के जरिए मंत्री से पूछा था कि मनरेगा मजदूरों को 15 दिन में मजदूरी का भुगतान करना होता है, लेकिन देरी हो रही है। डॉ. किरोड़ी ने कहा कि केंद्रीय अंशदान नहीं मिलने के कारण मजदूरी भुगतान में देरी हुई है। केंद्र सरकार से अंशदान लेने के लिए चिट्ठी लिखी गई है। मैं खुद व्यक्तिगत रूप से भी मिलूंगा। जरूरी दस्तावेज की पूर्ति नहीं होने के कारण केंद्रीय अंशदान में देरी होती है। मैटेरियल सप्लाई के टेंडर समय पर नहीं होते।

खेतड़ी क्षेत्र की बेटी प्रीति कुमारी बनी प्रेरणा, यूपीएससी में 521वीं रैंक हासिल

भीम प्रज्ञा न्यूज.खेतड़ी।

खेतड़ी क्षेत्र के तातीजा गांव की होनहार बेटी प्रीति कुमारी पुत्री थावरमल जेवरिया ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की सिविल सेवा परीक्षा में शानदार सफलता हासिल करते हुए ऑल इंडिया स्तर पर 521वीं रैंक प्राप्त कर अपने परिवार, गांव और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। प्रीति ने यह सफलता अपने चौथे प्रयास में हासिल की, जिससे पूरे क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल है। प्रीति कुमारी की प्रारंभिक शिक्षा खेतड़ी नगर के एक निजी विद्यालय में हुई, जहां से उन्होंने 10वीं और 12वीं कक्षा उत्तीर्ण की। इसके बाद उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से बीकॉम की पढ़ाई पूरी की। उच्च शिक्षा के लिए प्रीति ने आईआईटी बॉम्बे से एमएससी की डिग्री प्राप्त की। पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने दिल्ली में रहकर यूपीएससी परीक्षा की तैयारी शुरू की।यूपीएससी की राह प्रीति के लिए आसान नहीं रही। पहले प्रयास में वह प्रारंभिक परीक्षा भी पास नहीं कर सकीं। दूसरे प्रयास में वह मुख्य परीक्षा तक पहुंचीं, जबकि तीसरे प्रयास में उन्होंने इंटरव्यू तक का सफर तय किया, लेकिन अंतिम चयन नहीं हो सका। लगातार असफलताओं के बावजूद प्रीति ने हार नहीं मानी और दृढ़ संकल्प के साथ अपनी तैयारी जारी रखी। आखिरकार चौथे प्रयास में उन्होंने इंटरव्यू भी सफलतापूर्वक पास कर लिया और ऑल इंडिया

521वीं रैंक हासिल कर अपने सपने को साकार कर लिया। प्रीति के पिता थावरमल तातीजा के एक सरकारी विद्यालय में अध्यापक हैं। बेटी की इस उपलब्धि से परिवार सहित पूरे गांव में खुशी का माहौल है और लोग लगातार बधाई देने उनके घर पहुंच रहे हैं।

इस अवसर पर बलबीर छापोला, कुलदीप बबेरवाल, दिनेश, नरेश, किशोर मीणा और राकेश सहित कई गणमान्य लोगों ने प्रीति के घर पहुंचकर उन्हें और उनके माता-पिता को बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। ग्रामीणों ने कहा कि प्रीति की सफलता क्षेत्र के युवाओं और विशेष रूप से बेटियों के लिए प्रेरणादायक है।

कुतीना के शहीद की बेटी आंचल चौहान बनी इंडस्ट्रियल प्रमोशन ऑफिसर, उद्योग मंत्री ने सौंपा नियुक्ति पत्र

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

(रमेशचंद)। नीमराना उपखंड क्षेत्र के लिए गर्व की बात है कि कुतीना गांव की बेटी आंचल चौहान का राजस्थान सरकार के उद्योग विभाग में इंडस्ट्रियल प्रमोशन ऑफिसर के पद पर चयन हुआ है। उनकी इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर है और लोगों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर राजस्थान सरकार के उद्योग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने आंचल चौहान को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। इस मौके पर मंत्री ने आंचल की मेहनत और संघर्ष की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। गौरतलब है कि आंचल चौहान शहीद रिसालदार बालकिशन सिंह चौहान की सुपुत्री हैं। उनके पिता देश की सेवा करते हुए शहीद हो गए थे। पिता की शहादत के बाद परिवार को कई कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा, लेकिन आंचल ने

हिम्मत नहीं हारी और अपने पिता के सपनों को साकार करने के लिए निरंतर मेहनत करती रहीं। परिवार में देशसेवा की भावना भी दिखाई देती है। आंचल के बड़े भाई भारतीय सेना में रहकर देश की सेवा कर रहे हैं, जबकि उनकी छोटी बहन सीकर के एक सरकारी कॉलेज में पढ़ाई कर रही हैं। विपरीत परिस्थितियों के बावजूद आंचल चौहान ने अपनी लगन, मेहनत और दृढ़ संकल्प से यह मुकाम हासिल कर न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनकी इस सफलता पर क्षेत्रवासियों, मित्रों और शुभचिंतकों ने उन्हें हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

37 साल की सेवा के बाद रामचरण मीना का सेवानिवृत्ति समारोह बना ऐतिहासिक आयोजन

रिंगसपुरा की माटी के लाल का हजारो आम व खास ने किया भव्य सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज.करौली/नादौती।

मनोज खंडेलवाल। भारत सरकार के गृह मंत्रालय, नई दिल्ली में में निदेशक पद पर रहते हुए केंद्र सरकार की प्रशासनिक सेवा सेवा में सफलतम 37 वर्ष पूर्ण करने के बाद सेवानिवृत्त हुए वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी रामचरण मीना के सम्मान में उनके पैतृक गांव रिंगसपुरा में शनिवार और रविवार को दो दिवसीय सेवानिवृत्ति एवं सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। गुढ़ाचंद्रजी-नादौती रोड स्थित उनके फार्म हाउस पर आयोजित इस कार्यक्रम में आसपास के ग्रामीण अंचल से हजारों लोग उमड़ पड़े और पूरे आयोजन ने जनउत्सव का रूप ले लिया। अपने गांव की मिट्टी से जुड़े इस सम्मान समारोह में ग्रामीणों की भारी भागीदारी ने इसे ऐतिहासिक बना दिया। समारोह की शुरुआत शनिवार को सुबह से विशाल कन्हैया दंगल के आयोजन के साथ हुई। दूर-दराज से पहुंचे पहलवानों ने अखाड़े में अपने दांव-पेच और दमखम का शानदार प्रदर्शन किया, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीणों के साथ क्षेत्र के गणमान्य लोग और खेल प्रेमी भी मौजूद रहे। पूरे दिन चले इस दंगल ने गांव के माहौल को उत्सव में बदल दिया और अखाड़े के चारों ओर जुटी भीड़ हर

मुकाबले पर तालियों और जयकारों से पहलवानों का उत्साह बढ़ाती रही। रविवार को समारोह का दूसरा दिन सांस्कृतिक रंग में सराबोर रहा। सुबह से दोपहर तक लोकगायकों द्वारा पारंपरिक लोकगायन और लम्बे गीतों की प्रस्तुति दी गई, जिसमें ग्रामीण संस्कृति की जीवंत झलक दिखाई दी। इसके बाद दोपहर से देर शाम तक विशाल प्रीति भोज का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों ग्रामीणों ने एक साथ बैठकर प्रसादी ग्रहण की और इस आयोजन को सामूहिक उत्सव का स्वरूप दे दिया। समारोह में केंद्र और राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में कार्यरत वरिष्ठ अधिकारी, क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और कई राजनीतिक हस्तियां भी शामिल हुईं। सभी अतिथियों ने रिंगसपुरा की माटी के लाल, स्वर्गीय श्रीचंद्र मीना और रामप्यारी देवी के सुपुत्र रामचरण मीना को साफा और मालाएं पहनाकर सम्मानित किया। उनकी धर्मपत्नी को भी शॉल और ओढ़नी ओढ़ाकर सम्मानित किया गया तथा अतिथियों ने स्मृति चिन्ह और आकर्षक उपहार भेंट कर उनके आगामी जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उपस्थित लोगों का अभिवादन करते हुए रामचरण मीना ने दो दिनों तक कार्यक्रम में पधारे सभी ग्रामीणों, गणमान्य व्यक्तियों और अतिथियों का आभार व्यक्त किया। उनके परिवारजनों की ओर से भी अतिथियों का पारंपरिक तरीके से साफा पहनाकर अभिनंदन किया गया।

ग्रामीणों का कहना था कि रामचरण मीना ने अपने सरल स्वभाव, विनम्र व्यवहार और प्रशासनिक सेवा के दौरान ईमानदार कार्यशैली से क्षेत्र और समाज का नाम रोशन किया है। यही कारण रहा कि उनके सम्मान में आयोजित इस समारोह में उमड़ी भारी भीड़ ने इसे ऐतिहासिक बना दिया। दो दिनों तक चले इस जनसम्मान कार्यक्रम ने न केवल रिंगसपुरा गांव बल्कि पूरे नादौती क्षेत्र में एक यादगार आयोजन की मिसाल पेश कर दी, जिसकी चर्चा लंबे समय तक होती रहेगी।

गायत्री विद्यापीठ के 10 विद्यार्थियों को मिला एक्सीलेंस अवार्ड, विद्यालय में हुआ सम्मान समारोह

भीम प्रज्ञा न्यूज.नवलगढ़।

कमल किशोर पंवार। राजस्थान प्रगतिशील संस्थान, राजस्थान द्वारा संस्कारों की जन्मभूमि गायत्री विद्यापीठ उच्च माध्यमिक विद्यालय, नवलगढ़ के 10 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को एक्सीलेंस अवार्ड प्रदान किए जाने पर विद्यालय परिवार द्वारा आज एक गरिमामय सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रिंसिपल व शिक्षाविद् कृष्ण कुमार दायमा ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में वाइस प्रिंसिपल ज्योति दायमा उपस्थित रहीं। समारोह के दौरान सभी चयनित विद्यार्थियों को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रिंसिपल कृष्ण कुमार दायमा ने अपने उद्बोधन में कहा कि विद्यार्थियों की मेहनत, अनुशासन और संस्कार ही उन्हें सफलता के शिखर तक पहुंचाते हैं। उन्होंने कहा कि गायत्री विद्यापीठ हमेशा से शिक्षा के साथ-साथ संस्कारों के निर्माण पर विशेष बल देता रहा है। प्रधानाचार्य दायमा ने राजस्थान प्रगतिशील संस्थान राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद चेती वाल सूरजगढ़ का आभार प्रकट किया। वहीं वाइस प्रिंसिपल ज्योति दायमा ने विद्यार्थियों को निरंतर परिश्रम करते हुए जीवन में उच्च लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। समारोह में मानसी चावला,अंकित चावला, आर्यन चौहान, बबली असवाल, साक्षी नागोरा, सिमरन चावला, वंदना चावला, रितु चावला, दीपिका चौहान सहित अन्य बालक- बालिकाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिवार ने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर व्याख्याता रणबीर सिंह,कैलाश सैनी,विजय दायमा,राजेश चौहान,विद्याधर सांखला सहित कई लोग उपस्थित थे।

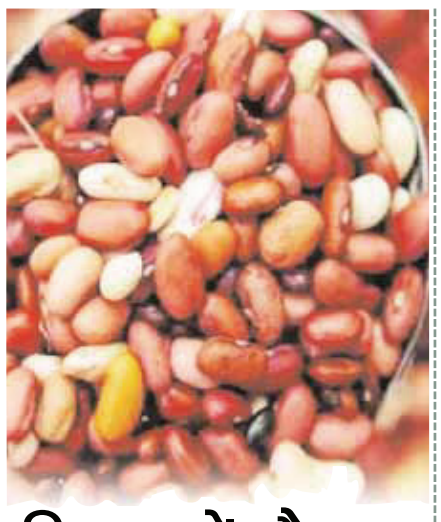

किचन में मौजूद ऐसी चीजें जिनकी नहीं होती कभी एक्सपायरी

बाजार से खाने-पीने की चीजें खरीदकर घर लाते ही सबसे पहले लोग उसे खराब होने से बचाने के लिए स्टोर करने का सही तरीका खोजते और अपनाते हैं। खाने-पीने की चीजें अक्सर जल्दी खराब हो जाती हैं, यही वजह है कि लोग उसे जल्दी खाकर खत्म कर देते हैं। पर क्या आप जानते हैं आपकी किचन में मौजूद खाने पीने की कई ऐसी चीजें हैं, जिन्हें उनके पोषण तत्वों के साथ लंबे समय तक स्टोर किया जा सकता है। आइए जानते हैं किचन में मौजूद ऐसी ही कुछ खाने की चीजों के बारे में जिनकी नहीं होती कभी एक्सपायरी।

ड्राई बीन्स

अध्ययन के अनुसार, बीन्स का सेवन व्यक्ति 30 साल बाद भी खाने के लिए कर सकता है। बीन्स आपातकालीन भोजन के लिए प्रोटीन से भरपूर भोजन का एक बेहतर विकल्प माना गया है। बीन्स को अच्छी तरह से एयर टाइट कंटेनर में लंबे समय तक स्टोर किया जा सकता है।

चीनी

लंबे समय तक स्टोर की जाने वाली चीजों में चीनी का भी नाम शामिल है। चीनी भी लंबे समय तक अपने पोषण से भरपूर गुणों को खोए बिना स्टोर की जा सकती है। इसके लिए आप चीनी को किसी एयरटाइट कंटेनर में बंद करके लंबे समय तक के लिए रखें।

नमक

नमक को भी चीनी की ही तरह लंबे समय के लिए अपनी गुणवत्ता खोए बिना स्टोर किया जा सकता है। नमक को ठीक से स्टोर करने से न तो इसमें कभी गुलठियां पड़ती हैं और न ही कभी इसमें कीड़े लगते हैं।

सरसों के दाने

अगर आप अच्छे ब्रांड के सरसों दाने इस्तेमाल करते हैं तो खुला रहने के बावजूद आप इन्हें एक वर्ष से अधिक समय तक भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

सफेद चावल

सफेद चावल को अनिश्चित काल तक स्टोर करके रखा जा सकता है। एक शोध की मानें तो सफेद चावल 30 वर्षों तक अपने पोषक तत्व और स्वाद को बनाए रख सकते हैं।

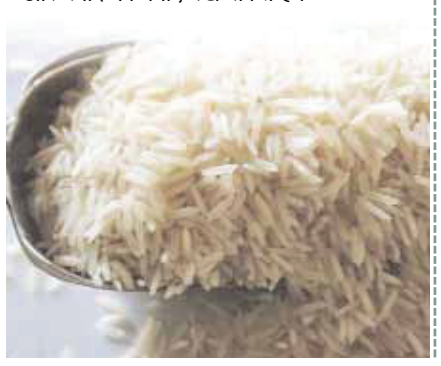

एडवेंचर पसंद लोग कर सकते हैं यह चार तरह की एयर एक्टिविटी

हर व्यक्ति का स्वभाव अलग होता है। कुछ लोगों को एडवेंचर करना काफी पसंद होता है और वह हमेशा ही कुछ मजेदार व साहसिक करने की फिराक में रहते हैं। ऐसे लोगों के लिए तरह-तरह के एयर स्पोर्ट्स करना एक अलग अनुभव हो सकता है। खासतौर पर, अगर आप पूरे सप्ताह काम करने के बाद वीकेंड पर खुद को एक बार फिर से रिचार्ज करना चाहती हैं और कुछ नया करने की इच्छा रखती हैं तो ऐसे में आपको इन एयर स्पोर्ट्स को एक बार जरूर आजमाना चाहिए।

एक क्लिप से कूदना, रस्सियों से लटकना और कुछ कैनवास की मदद से हवा में उड़ने का अपना एक अलग ही आनंद होता है। अगर आप अपने जीवन में कुछ अलग व यादगार करना चाहते हैं तो यह एयर स्पोर्ट्स यकीनन आपको निराश नहीं करेंगे। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी ही एयर स्पोर्ट्स एक्टिविटीज के बारे में बता रहे हैं, जो आपके सपनों व जीवन जीने के तरीके को एक पंख देंगे–

पैराग्लाइडिंग का उठाएं लुत्फ

अगर आप एयर स्पोर्ट्स के जरिए एक असीम सुकून व आनंद का अनुभव करना चाहती हैं तो ऐसे में पैराग्लाइडिंग को एक बार जरूर आजमाएं। भले ही आप एक बिगनर है, लेकिन फिर भी पैराग्लाइडिंग का आनंद लिया जा सकता है, क्योंकि इसमें आपको असिस्ट करने के लिए एक एक्सपर्ट साथ में होता है। भारत में, कई स्कूल और फ्लाइंग क्लब पैराग्लाइडिंग और अन्य एयरोस्पोर्ट पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं। यह एयर एक्टिविटी भारत में बेहद पॉपुलर है और वर्तमान में कई हॉलिडे डेस्टिनेशन में पैराग्लाइडिंग करने की सुविधा मौजूद है। आप हिमाचल प्रदेश, जम्मू, उत्तराखंड व महाराष्ट्र आदि जगहों पर पैराग्लाइडिंग का अनुभव कर सकते हैं।

स्काई डाइविंग

अन्य एयर स्पोर्ट्स की तुलना में स्काई डाइविंग यकीनन अधिक रिस्की है। इसे पैराशूटिंग भी कहा जाता है, जिसमें हवाई जहाज से लोग कूदते हैं और जमीन से हजारों फीट की ऊंचाई पर एक अलग ही एडवेंचर का अनुभव होता है। यह एक ऐसा एयर स्पोर्ट्स है, जो पिछले

कुछ वक्त में काफी पॉपुलर हुआ है। आप मैसूर, पुडुचेरी, हैदराबाद, अलीगढ़ जैसी जगहों पर स्काई डाइविंग का लुत्फ उठा सकती हैं।

विंगसूट फ़्लाइंग

विंगसूट फ्लाइंग एक खतरनाक एक्टिविटी है जिसमें विशेष रूप से डिजाइन किए गए जंपसूट के उपयोग की आवश्यकता होती है जिसे विंगसूट या बर्डमैन सूट के रूप में जाना जाता है। इस जंपसूट में दो आर्म विंग और एक लेग विंग होता है। विंगसूटर आगे की गति, दिशा और लिफ्ट को नियंत्रित करने के लिए अपने शरीर का उपयोग करता है। हालांकि, विंगसूट फ़्लाइंग करना हर किसी के लिए संभव नहीं हो सकता है और इसके लिए पर्याप्त प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है। फिलहाल भारत में विंगसूट फ़्लाइंग अभी उतनी पॉपुलर नहीं हुई है।

करें हॉट एयर बैलून राइड

हॉट एयर बैलूनिंग सबसे एडवेंचर्स स्पोर्ट्स में से एक है जो आपको जमीन से कई फीट ऊंचाइयों तक ले जाकर आसपास के नजारों को एक नए तरीके से दिखाता है। हालांकि भारत में, एक एडवेंचर्स एक्टिविटी के रूप में हॉट एयर बैलूनिंग अभी भी अपनी प्रारंभिक अवस्था में है। लेकिन फिर भी रोमांच पसंद लोग इसका आनंद उठाना पसंद करते हैं। अगर आप भारत में रहकर हॉट एयर बैलून का मजा उठाना चाहते हैं तो आपको राजस्थान की यात्रा करनी चाहिए। खासतौर से, पुष्कर ऊंट उत्सव के दौरान हॉट एयर बैलूनिंग राजस्थान एक्टिविटी के मुख्य आकर्षणों में से एक है। राजस्थान, द रॉयल स्टेट ऑफ इंडिया भारत में हॉट एयर बैलूनिंग के लिए सबसे अच्छी जगहों में से एक है।

इन चीजों से अपने फॉर्मल लुक को बनाएं स्टाइलिश

कैजुअल और पार्टी वियर लुक में जान डालने के लिए तो हमारे पास कई विकल्प होते हैं, लेकिन जब बात आती है फॉर्मल लुक की तो समझ नहीं आता कि क्या पहनें!

जॉब करने वाली लड़कियों के पास एक्सपेरिमेंट करने के लिए बहुत कम स्कोप होता है। क्योंकि फॉर्मल के साथ अगर आप कुछ भी उल्टा सीधा पहनेंगी तो एक तो आपको ऑफिस में टोक दिया जाएगा और दूसरा आप हंसी का पात्र भी बन सकती हैं। इसी डर के कारण लड़कियां फॉर्मल लुक के साथ ज्यादा छेड़छाड़ नहीं करती हैं। लेकिन आपको यह बता दें कि अगर एक बार आपको स्टाइल की नॉलेज हो जाए तो आप अपने फॉर्मल लुक को भी कूल और स्टाइलिश बना सकती हैं। आज इस आर्टिकल में हम आपको कुछ ऐसी एक्सेसरीज के बारे में बता रहे हैं जिन्हें कैरी कर के आप अपनी बोरिंग सी ड्रेस में भी जान डाल सकती हैं।

क्राउन स्टाइल हेयरबैंड

हेयर एक्सेसरीज पहनकर भी आप अपने फॉर्मल लुक को सबसे अलग दिखा सकती हैं। सबसे अच्छी बात यह है कि इसके लिए आपको कोई टोकेगा भी नहीं। हेयर एक्सेसरीज में आजकल क्राउन स्टाइल हेयरबैंड ट्रेंड में है, जैसे कि सेलिब्रिटी फैशन डिजाइनर विभु महापात्र का लेटेस्ट कलेक्शन। इस तरह के हेयरबैंड आपको किसी भी मार्किट में मिल जाएंगे।

रिस्ट वॉच

अगर आपको यह लग रहा है कि अब रिस्ट वॉच फैशन में नहीं है तो हम आपको यह क्यों सजेस्ट कर रहे हैं! तो बता दें कि फॉर्मल ड्रेस के साथ रिस्ट वॉच हमेशा से फैशन का हिस्सा रही है। अगर आप फिल्मों में किसी एक्ट्रेस को फॉर्मल लुक में दिखेंगी तो वह भी रिस्ट वॉच ही कैरी करती हैं। इसलिए अगर आप भी अपने फॉर्मल लुक को बोल्ड और स्टाइलिश बनाना चाहती हैं तो रिस्ट वॉच पहनें।

फुटवियर और हैंडबैग

फुटवियर और हैंडबैग ऐसी चीजें हैं जिन्हें फॉर्मल लुक के साथ जॉन डाल सकती हैं। कैजुअल और पार्टी वियर लुक में जान डालने के लिए तो हमारे पास कई विकल्प होते हैं, लेकिन जब बात आती है फॉर्मल लुक की तो समझ नहीं आता कि क्या पहनें!

बहुत सोच समझकर चुनना चाहिए। अगर फुटवियर की बात करें तो आप अपने लुक को अट्रैक्टिव बनाने के लिए हील्स वाली सैंडल पहन सकती हैं। लेकिन ध्यान रहे हमेशा कम्फरटेबल हील्स ही पहनें। वहीं, आजकल लॉन्ग बैग फैशन में हैं, आप इन्हें भी पहन सकती हैं।

नेकपीस

अपने ऑफिस लुक को क्लासी और स्टाइलिश बनाने के लिए आप फॉर्मल के साथ नेकपीस कैरी कर सकती हैं। आजकल मिनिमल जूलरी ट्रेंड में हैं, ये ऑफिस के लिए एकदम बेस्ट हैं। ये शर्ट और ड्रेस हर किसी के साथ जचते हैं। आप गोल्ड या प्लेटिनम वाली छोटे पैंडल की नेकपीस भी पहन सकती हैं।

सनग्लासेज

सनग्लासेज भी आपके फॉर्मल लुक में चार चांद लगाते हैं इसलिए इन्हें भी आप अपने फेस के अनुसार सही शेप और कलर में कैरी कर सकती हैं। साथ ही आजकल फैंसी स्टाइल में नजर के चश्मे भी आ रहे हैं। आप ऑफिस में पूरे टाइम इन्हें पहनकर भी खूबसूरत दिख सकती हैं। कहने का मतलब यह है कि सनग्लासेज कैरी कर के भी आप अपने फॉर्मल लुक में जान डाल सकती हैं।

गर्मियों के लिए बेस्ट रहेंगी ऑर्गेंजा साड़ी

साड़ी को स्टाइलिश लुक देने के लिए आप बॉडी के अनुसार ही इसकी ड्रेपिंग करें। इसके लिए आप लेटेस्ट फैशन ट्रेंड को फॉलो करें।

साड़ी पहनना हम सभी को पसंद होता है। मार्केट में आपको आजकल साड़ी में रेडीमेड डिजाइन भी देखने को मिल जाएंगे। वहीं गर्मी के मौसम में पतले और स्किन फ्रेंडली फैब्रिक की साड़ियां पहनना सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है। आजकल की बात करें तो सिल्क में ऑर्गेंजा साड़ी को काफी ज्यादा पसंद किया जा रहा है। तो आइये देखते हैं ऑर्गेंजा साड़ी के कुछ खास डिजाइंस और बताएंगे इन्हें स्टाइल करने के कुछ आसान टिप्स।

लेस डिजाइन साड़ी

लेस डिजाइन में साड़ी के काफी सारे डिजाइन आपको देखने को मिल जाएंगे। गोटा-पट्टी इसमें सबसे ज्यादा चलन में रहती है। इस तरह के साड़ी डिजाइन आपको मार्केट में 2,500 रुपये तक में आसानी से मिल जाएंगे। लुक के साथ में आप पेटीकोट की जगह शेप वियर को पहन सकती हैं।

फ्लोरल डिजाइन साड़ी

ऑर्गेंजा में आपको फ्लोरल वर्क में काफी खूबसूरत और कलरफुल डिजाइन देखने को मिल जाएंगे। इस तरह की साड़ी आपको मार्केट में लगभग 2,000 रुपये तक में आसानी से मिल जाएगी। इस लुक के साथ में आप मैचिंग कलर का स्लीवलेस ब्लाउज सिलवाकर पहन सकती हैं।

हैवी बॉर्डर वर्क साड़ी

किसी फंक्शन में जाने के लिए साड़ी ढूंढ रही हैं तो इस तरह के हैवी बॉर्डर वर्क वाली साड़ी खरीद सकती हैं। हैवी वर्क में आपको फैंसी डिजाइन में काफी सारे साड़ी के ऑप्शन देखने को मिल जाएंगे। इस तरीके की खूबसूरत साड़ी आपको मार्केट में लगभग 4,000 रुपये तक में आसानी से मिल जाएगी।

आजाद समाज पार्टी ने किया जिला अध्यक्ष की नियुक्ति, एडवोकेट रविंद्र समरिया बने कोटपूतली-बहरोड़ के अध्यक्ष

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

आजाद समाज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अनिल धनवाल की अध्यक्षता में रविवार को आयोजित बैठक में पार्टी संगठन के विस्तार को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इस दौरान कोटपूतली-बहरोड़ जिले के लिए एडवोकेट रविंद्र समरिया (नीमराना) को जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया। पार्टी पदाधिकारियों ने बताया कि यह नियुक्ति बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर और कांशीराम की विचारधारा 'बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय' को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से की गई है। एडवोकेट रविंद्र समरिया की स्वच्छ छवि, मृदुभाषी स्वभाव और स्पष्टवादी व्यक्तित्व को देखते हुए पार्टी ने उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी है।नियुक्ति की घोषणा के बाद नीमराना बार एसोसिएशन की ओर से एडवोकेट रविंद्र समरिया का माला व साफा पहनाकर स्वागत किया गया तथा लड्डू खिलाकर खुशी जताई गई। इस अवसर पर उपस्थित अधिवक्ताओं और साथियों ने उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए बधाई दी और उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की।एडवोकेट रविंद्र समरिया ने कहा कि पार्टी का मुख्य उद्देश्य सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों के अधिकारों की रक्षा करना और उन्हें न्याय दिलाना है। उन्होंने कहा कि संगठन को मजबूत करते हुए बहुजन समाज की आवाज को मजबूती से उठाया जाएगा।

इस अवसर पर नीमराना बार एसोसिएशन अध्यक्ष उदय सिंह यादव, उपाध्यक्ष अमित सोनी, मकरध्वज शर्मा, जितेंद्र समरिया, वेद प्रकाश, पूर्व अध्यक्ष मुकेश सिरोहीवाल, पीतांबर मेघवाल, मनजीत समदिया, राधेश्याम यादव, हरप्रीत यादव, शीशराम यादव, जितेंद्र जांगिड़, मुकेश शर्मा, राजू शर्मा, धर्मेंद्र यादव, देवेंद्र दोसोड़िया, अरविंद यादव, सुभाष चंद्र, मुकेश यादव, मंजीत यादव, ममता शर्मा, नरेंद्र यादव और भानु प्रताप शेखावत सहित कई अधिवक्ता व गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

तरुण हत्याकांड को लेकर नवलगढ़ सर्व समाज के लोगों में भारी आक्रोश : विरोध स्वरूप रैली निकालकर दिया ज्ञापन

भीम प्रज्ञा न्यूज .नवलगढ़।

दिल्ली के उत्तमनगर निवासी निहत्थे और निर्दोष तरुण कुमार(26) की कट्टरपंथी जेहादीयों द्वारा निर्मम तरीके से हत्या किए जाने के विरोध में नवलगढ़ में खटीक समाज के नेतृत्व में अनुसूचित जाति जनजाति अधिकार मंच जिला झुंझुनूं के तत्वाधान में सर्व समाज के लोगों ने हत्याकांड की निंदा करते हुवे विरोध स्वरूप रैली निकालकर आक्रोश व्यक्त किया गया। विरोध प्रकट करने के लिए सर्वसमाज के लोग सैकड़ों की संख्या में रैली के रूप में नगरपालिका के सामने से 10 बजे रवाना होकर नारेबाजी करते हुए एसडीएम कार्यालय पहुंचकर अनुसूचित जाति जनजाति अधिकार मंच के बैनर तले ज्ञापन दिया गया। इस मौके पर अनुसूचित जाति जनजाति अधिकार मंच के जिला महामंत्री कृष्ण कुमार दायमा गायत्री ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि तरुण सनातन संस्कृति का पोषक था,उसमें राष्ट्र प्रेम कूट कूट कर भरा था,परिवार का भरण पोषण करने वाले इकलौते बेटे की निर्मम तरीके से हत्या किया जाना दुखद है,निंदनीय है इसके लिए हत्या में लिप्त सभी आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा होनी चाहिए। अधिकार मंच के नवलगढ़ ब्लॉक अध्यक्ष कमल किशोर पंवार ने कहा कि केवल एक आरोपी के मकान को तोड़ना हत्या के लिए पर्याप्त नहीं है। इसके लिए दिल्ली सरकार को सभी हत्यारों को अतिशीघ्र फांसी देकर परिजनों को न्याय देना चाहिए।

जिलाअध्यक्ष पूर्व डीईओ दीपचंद पंवार ने कहा कि केवल ज्ञापन देना ही पर्याप्त नहीं है इसके लिए हमारी राष्ट्रीय कार्यकारिणी के लोगों से इस संबंध में वार्ता चल रही है यदि आवश्यकता हुई तो भारत बंद और चक्काजाम भी किया जाएगा। संघ के संघचालक विश्वनाथ जोशी, हिंदू जागरण मंच के मोहन लाल चूड़ीवाल,भाजपा नेता जयंती बील, एडवोकेट विनोद घुघरवार, खटीक समाज के सावरमल असवाल, पार्षद सुनील सामरिया ,पार्षद राकेश दायमा आदि गणमान्य लोगों ने सभा को संबोधित करते हुए अन्याय के प्रति संगठित होकर प्रतिकार करने की बात कही। इस आक्रोश रैली में हरिराम सैनी,पवन शर्मा, फूलचंद सैनी,बनवारी लाल तोंसावड़ा ,पुरुषोत्तम वाल्मीकि, नंदलाल दायमा, अर्जुन सांखला, हरचंद बागड़ी, राकेश दायमा, राजपाल चावला, रामलाल रोलन, आजाद खटीक, कानाराम सांखला, गणेश दायमा, शब्द प्रकाश बियान, राकेश चावला, बाबूलाल चावला, कैलाश चावला, नौरंगलाल बागड़ी, मित्तर पंवार, राजू बागड़ी, राकेश चावला, शायर असवाल, किशोर असवाल,ओमप्रकाश असवाल, गोवर्धन चौहान, विनोद दायमा, अनिल दायमा, जितेंद्र असवाल, राधेश्याम असवाल, राकेश दायमा, आकाश सांखला,सहित सैकड़ों लोग आक्रोश रैली में शामिल हुए।

उधर गत शाम नानसा गेट पर दिल्ली जिहादी हिंसा के शिकार हुए तरुण कुमार के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। इस मौके पर कृष्ण कुमार दायमा, कमल किशोर पंवार ,राजेंद्र सिंह शेखावत, बहादुर जाट,राजेश पंवार, कानाराम सांखला,गजानंद सामरिया,अशोक चावला, संपत पंवार, रोशन असवाल,धर्मेंद्र पंवार, दिनेश असवाल,पार्षद प्रतिनिधि राकेश दायमा, पवन शर्मा,विनोद पंवार सहित काफी संख्या में व्यापारियों ने नारेबाजी कर आरोपियों के लिए फांसी की मांग की ।

प्रधानमंत्री किसान जन निधि योजना को लेकर तेतरा ग्राम पंचायत में फार्मर रजिस्ट्री आईडी शिविर आयोजित

शिविर में 50 से अधिक किसान हुए लाभान्वित

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । प्रधानमंत्री किसान जन निधि योजना को लेकर आज मंडावा पंचायत समिति की ग्राम पंचायत तेतरा में अटल सेवा केन्द्र पर फार्मर आईडी शिविर आयोजित हुआ। भू अभिलेख नीरिक्षक सुभाष बारहठ ने बताया कि मंडावा भू अभिलेख नीरिक्षण के अधीन आने वाले पंचायतो के किसानो के फार्मर आईडी कार्ड बनाये गये। शिविर में 50 से अधिक किसानो के फार्मर आईडी कार्ड बनाये गये। पटवारी धर्मवीर सिंह,पटवारी विजय काला ने जानकारी देते हुए बताया कि शिविर का मुख्य उदेश्य है कि किसानो को केन्द्र व राज्य सरकार की कृषि से संबधित लाभकारी योजनाओ का पात्र किसानो को पुरा लाभ मिले। शिविर में आने वाले अन्य सभी किसानो को उनके कृषि से संबधित कार्यो को भी प्राथमिकता से पुरा किया गया। इस अवसर पर भू अभिलेख निरीक्षक सुभाष बारहठ मंडावा, धर्मवीर सिंह पटवारी मंडावा, विजय काला पटवारी कुहाडू, सुमेर सिंह पटवारी वाहिदपुरा, सुजीव पुनिया पटवारी मेहरादासी, सुनील माहीच ग्राम विकास अधिकारी तेतरा,सरपंच सावित्रि देवी तेतरा उपस्थित रहे।

सीजेएम ने सखी- वन स्टॉप सेंटर व सेफ हाउस का किया औचक निरीक्षण

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश दीपक अग्रवाल के निर्देशानुसार मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की सचिव गायत्री ने जिले के सखी- वन स्टॉप सेंटर व सेफ हाउस का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने दोनों केंद्रों में उपलब्ध व्यवस्थाओं, उपचार प्रक्रियाओं, परामर्श सेवाओं तथा पुनर्वास से जुड़ी सुविधाओं का गहनता से जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। सखी- वन स्टॉप सेंटर के निरीक्षण के दौरान सीजेएम गायत्री ने महिलाओं के आवास, भोजन, स्वास्थ्य और सुरक्षा से जुड़ी व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सखी- वन स्टॉप सेंटर में रह रही महिलाओं को सुरक्षित, स्वच्छ और सकारात्मक वातावरण उपलब्ध कराया जाए। सेफ हाउस के निरीक्षण के दौरान सेफ हाउस में तीन प्रेमी जोड़े हाजिर मिले। सीजेएम गायत्री ने प्रेमी जोड़ों को सेफ हाउस में दी जाने वाली सुविधाओं व कानूनी सहायता बारे विस्तृत जानकारी प्रदान की। सीजेएम गायत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सेफ हाउस में रह रहे प्रेमी जोड़ों को आवास, सुरक्षित, स्वच्छ और सकारात्मक वातावरण उपलब्ध कराया जाए तथा उनकी गरिमा और सम्मान का विशेष ध्यान रखा जाए।

मंडावा की मनीषा मौर्य का महिला दिवस पर सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में डॉ. अंबेडकर उद्यान परिषद, जयपुर द्वारा आयोजित छटा सर्व समाज नारी गौरव सम्मान 2026 समारोह में महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने के लिए मनीषा मौर्य को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में समाज की विभिन्न महिलाओं को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इसी क्रम में मण्डावा निवासी मनीषा मौर्य को समाज में महिलाओं को जागरूक करने, शिक्षा और आत्मनिर्भरता के लिए प्रेरित करने तथा सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रशस्ति-पत्र और स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। इस अवसर पर मनीषा मौर्य ने कहा कि महिलाओं की शिक्षा और आत्मनिर्भरता ही समाज के विकास की असली ताकत है। उन्होंने सभी महिलाओं से आगे बढ़कर अपने अधिकारों और क्षमताओं को पहचानने की अपील की।

स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए सभी विभाग मिलकर करें कार्य: डीसी डॉ. विवेक भारती

जिला स्तरीय स्वास्थ्य समीक्षा बैठक में विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा, अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । डीसी डॉ. विवेक भारती की अध्यक्षता में सोमवार को लघु सचिवालय स्थित सभागार कक्ष में जिला स्तरीय स्वास्थ्य समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों की विस्तार से समीक्षा की गई तथा स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक के दौरान डीसी ने जननी सुरक्षा योजना, टीबी मुक्त भारत अभियान, स्वास्थ्य सूचकांक, एचपीवी टीकाकरण अभियान सहित विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति की जानकारी ली। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के साथ-साथ शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों ने अपने-अपने विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों और योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। डीसी डॉ. विवेक भारती ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ व प्रभावी बनाने के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने विशेष रूप से एचपीवी टीकाकरण अभियान को गति देने और निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने पर जोर दिया, ताकि अधिक से अधिक पात्र लाभार्थियों तक इस अभियान का लाभ पहुंचाया जा सके। उन्होंने कहा कि जिले के स्वास्थ्य सूचकांकों में सुधार लाने के लिए नियमित निगरानी, डाटा का विश्लेषण तथा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है, इसके लिए संबंधित अधिकारी योजनाओं के निर्धारित लक्ष्यों के अनुसार डाटा का गहन विश्लेषण कर रणनीति तैयार करें तथा उसी के आधार पर अभियानों की निरंतर मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें। डीसी ने कहा कि सरकार द्वारा चलाई जा रही स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुंचाने के लिए प्रचार-प्रसार को और अधिक मजबूत किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि सीएससी स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएं, ताकि स्वास्थ्य योजनाओं से संबंधित जानकारी कर्मचारियों और आमजन तक प्रभावी रूप से पहुंच सके और पात्र व्यक्तियों को समय पर इन योजनाओं का लाभ मिल सके। बैठक के दौरान डीसी ने जिले में चल रही निर्माणाधीन स्वास्थ्य परियोजनाओं की भी समीक्षा की और अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्यों को निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा किया जाए, ताकि आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। डीसी डा. विवेक भारती ने पीसीपीएनडीटी एक्ट की सख्ती से अनुपालना सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि जिले के किसी भी अल्ट्रासाउंड सेंटर में अवैध रूप से लिंग जांच नहीं होनी चाहिए। यदि कहीं ऐसी गतिविधि की जानकारी मिलती है तो तुरंत प्रभाव से छापेमारी कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि कन्या भ्रूण हत्या जैसी सामाजिक बुराइयों को रोकना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं का मुख्य उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों तक बेहतर चिकित्सा सुविधाएं पहुंचाना है। इसके लिए सभी अधिकारी और कर्मचारी संवेदनशीलता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें और आमजन को बेहतर सेवाएं प्रदान करें। डीसी ने बताया कि वे समय-समय पर स्वयं भी फील्ड में जाकर स्वास्थ्य संस्थानों का निरीक्षण करते हैं। इसलिए सभी स्वास्थ्य केंद्रों में ओपीडी व्यवस्था, साफ-सफाई, दवाइयों की उपलब्धता और अन्य आवश्यक सुविधाओं को बेहतर बनाए रखा जाए। बैठक में एंबुलेंस सेवाओं के रिस्पांस टाइम, शिकायत निवारण प्रणाली तथा स्वास्थ्य संस्थानों में स्टाफ की उपलब्धता की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जहां भी स्टाफ की कमी है, वहां आवश्यक रिक्तियों को मुख्यालय और सीएसआर के माध्यम से पूरा करवाने के लिए प्रयास किए जाएं। उन्होंने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से आभा आईडी बनवाने की अपील करते हुए कहा कि डिजिटल हेल्थ मिशन के तहत यह आईडी स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुगम और पारदर्शी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

शीतला माता का जागरण आज, 11 मार्च को भरेगा मेला

भीम प्रज्ञा न्यूज. मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । कस्बे के प्राचीन शीतला मन्दिर प्रांगण में मंगलवार को रात्रि सवा नौ बजे से विशाल जागरण का आयोजन किया जाएगा तथा 11 मार्च,बुद्धवार को अल सुबह से शीतला माता का मेला भरेगा। पवन सैनी ने बताया की जागरण में लेडिज गायक कलाकार कंचन सैन तथा मुख्य गायक देवीसिंह शेखावत एण्ड पार्टी, मण्डावा द्वारा आकर्षक भजनों की प्रस्तुति देगें।

लक्षमनगढ के गौड़ परिवार के एक और लाडले ने बढ़ाया सीए बनने के लिए कदम, सीए इंटरमीडिएट परीक्षा के दोनों ग्रुप एक साथ किए उत्तीर्ण

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

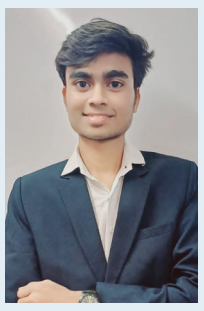

यहां पिंजरापोल गौशाला के सामने रहने वाले प्रतिष्ठित गौड़ परिवार के लाडले युवा ने चार्टेड अकाउंटेंट बनने की ओर कदम बढ़ाते हुए सीए इंटरमीडिएट परीक्षा के दोनों ग्रुप एक साथ उत्तीर्ण कर परिवार,समाज व गांव का नाम रोशन किया है। पारिवारिक सदस्य राधेश्याम गौड़ ने बताया कि समाजसेवी हरिप्रसाद गौड़ सैनी के सुपौत्र व मुम्बई प्रवासी खेमचंद के सुपुत्र रोहित ने प्रथम प्रयास में ही सीए इंटरमीडिएट के दोनों ग्रुप एक साथ क्लीयर करने पर पारिवारिक सदस्यों व शुभचिंतकों ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए बधाई दी है।

हिंदू राष्ट संगोष्ठी में सनातन मूल्यों की रक्षा और हिंदू समाज को संगठित करने का आवाह्न

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

यहां के श्री रघुनाथ जी के बड़े मंदिर में आयोजित हिन्दू राष्ट्र -संगोष्ठी में वक्ताओं ने सनातन मूल्यों की रक्षा और हिंदू समाज को संगठित करने का आव्हान किया। आयोजित संगोष्ठी पुरी जगन्नाथ धाम के जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती गोवर्धन पीठाधीश्वर महाराज के कृपा पात्र शिष्य ब्राह्मण भूषण अधिवक्ता प्रेमचंद झा के आतिथ्य व श्री रघुनाथ जी का बड़ा मंदिर के महंत अशोक दास महाराज के सानिध्य में आयोजित हुई। मुख्य अतिथि प्रेमचंद झा ने पक्षपात विहीन शोषण विहीन मुक्त सनातन शासन तंत्र स्थापित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला और बताया कि हिंदू सब के हितेषी है। उन्होंने सेवा सत्संग स्वाध्याय एवं संगोष्ठी के माध्यम से हिंदुओं को संगठित कर भारत के लिए जल्द से जल्द हिंदू राष्ट्र घोषित करने करवाने के लिए प्रयास करने को कहा। उन्होंने हर घर हिंदू राष्ट्र अभियान का समर्थन करते हुए हिंदू राष्ट्र के निर्माण करने और हिंदू समाज को संगठित करने हेतु आवाह्न किया । इस अवसर पर राजकुमार खिरवेवाल, रतन सिंह बगड़ी, सुभाष जोशी, संजय जोशी, सुभाष सुरोलिया, विश्वनाथ जोशी, रामनिवास शर्मा, डॉ अर्जुन सिंह रत्नू, शशिकांत जोशी, रामपाल कुमावत, राजेंद्र माटोलिया, प्रकाश खांडल, गोविंद जांगिड़, दीनदयाल जोशी, कैलाश शर्मा, राजेश जोशी, विक्रम सिंह तंवर, मुकेश पुरोहित, गिरधारीलाल जाजोदिया, प्रभुदयाल इंदौरिया, जयप्रकाश शर्मा आदि सहित अनेक सनातनी बंधु उपस्थित थे।

झुंझुनूं सेन छात्रावास में होली मिलन समारोह, समाजसेवी दिव्यांग कुलदीप सेन का हुआ सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज.पचेरी।

सेन समाज की ओर से सेन समाज छात्रावास झुंझुनूं में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र में सामाजिक कार्यों और आमजन की समस्याओं को उठाने वाले दिव्यांग समाजसेवी कुलदीप सेन को सम्मानित किया गया। समाज के लोगों ने पुष्पमाला पहनाकर उनका अभिनंदन किया और उनके कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि कुलदीप सेन दिव्यांग होने के बावजूद क्षेत्र में सामाजिक सरोकारों को लेकर लगातार सक्रिय रहते हैं। वे गांवों की समस्याओं को प्रशासन तक पहुंचाने और उनके समाधान के लिए निरंतर प्रयास करते रहते हैं। विशेष रूप से स्कूली बच्चों की परेशानी को देखते हुए उन्होंने रायपुर अहिरान से सांतौर तक सड़क निर्माण की मांग लगातार उठाई है, ताकि बच्चों को स्कूल जाने में किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े। कुलदीप सेन समय-समय पर गांव की स्कूलों में जाकर शिक्षकों से बच्चों की पढ़ाई और उनके भविष्य को लेकर चर्चा भी करते रहते हैं। इसके अलावा वे दिव्यांगजनों की समस्याओं को भी प्रमुखता से उठाते हैं और उनके अधिकारों तथा सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए प्रशासन से लगातार प्रयास करते रहते हैं।

समाज के लोगों ने बताया कि कुलदीप सेन ग्राम पंचायत से लेकर उपखंड, जिला और राज्य स्तर तक अपनी मांगों को मजबूती से उठाने का साहस रखते हैं। पचेरी से भालोठ सड़क मार्ग, रायपुर अहिरान से सांतौर सड़क निर्माण तथा दिव्यांगजनों को योजनाओं का लाभ दिलाने की मांग को लेकर वे लगातार सक्रिय रहते हैं, जिससे क्षेत्र में उनकी अलग पहचान बनी है।जानकारी के अनुसार कुलदीप सेन पचेरी कलां बाजार में गूंती रोड पर सेवानिवृत्त प्रिंसिपल श्रीवास्तव के घर के सामने नाई की दुकान संचालित करते हैं। अपनी मेहनत-मजदूरी से जो भी आय होती है, उसी से वे अपनी सामाजिक मांगों को उठाने और प्रशासनिक कार्यालयों तक पहुंचने का खर्च भी स्वयं वहन करते हैं। समारोह में सेन समाज के लोगों ने कुलदीप सेन के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उनके जैसे जुझारू और समाजसेवी व्यक्तित्व पर पूरे समाज को गर्व है। कार्यक्रम के अंत में समाज के लोगों ने होली मिलन के अवसर पर एक-दूसरे को बधाई दी और समाज की एकता व प्रगति के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

लक्षमनगढ के पुजारी परिवार की दोहिती शिप्रा मिश्रा राज्य स्तरीय अवार्ड से सम्मानित

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जयपुर में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में उद्योग मंत्री राज्य वर्धन सिंह राठौर ने रविवार को श्रीमती शिप्रा मिश्रा धर्मपत्नी आनंद वर्धन निवासी सीकर को 'वुमन एंटरप्रेन्योर ऑफ द ईयर' के प्रतिष्ठित अवार्ड से अलंकृत किया। उल्लेखनीय है कि श्रीमती शिप्रा मिश्रा लक्ष्मणगढ़ के बालमुकुंद जोशी पुजारी की दोहिती और उमेश पुजारी भांजी तथा सीकर के प्रतिष्ठित व्यापारी एवं उद्यमी मधुसूदन मिश्रा की सुपुत्री हैं। सरकार ने यह सम्मान श्रीमती शिप्रा को उत्कृष्ट उद्यमिता, समर्पण तथा प्रेरणादायक व्यावसायिक उपलब्धियों के लिए दिया गया है। इस राज्य स्तरीय सम्मान पर शिप्रा को अनेक समाज सेवी महिला और पुरुषो ने बधाई दी है।ल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाव का प्रभावी माध्यम है। डॉ भास्कर ने अभिभावकों से अपील है की कि वे किसी भी प्रकार की भ्रांतियों पर विश्वास न करें तथा अपनी बेटियों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए समय पर टीकाकरण करवाकर इस अभियान को सफल बनाने में सहयोग करें।

जिला चिकित्सालय लक्ष्मणगढ़ में एचपीवी वैक्सीनेशन प्रारम्भ

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

यहां के सरकारी जिला अस्पताल में एचपीवी वैक्सीनेशन प्रारंभ हो गई हैं। जिला अस्पताल के प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ अटल भास्कर ने बताया कि यह सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए एचपीवी (HPV) वैक्सीन एक सुरक्षित एवं अत्यंत प्रभावी उपाय है। विशेषज्ञों के अनुसार यह वैक्सीन सर्वाइकल कैंसर से लगभग 99.99 प्रतिशत तक सुरक्षा प्रदान करने में सहायक मानी जाती है। निजी बाजार में इस वैक्सीन की कीमत लगभग रू4000 तक होती है, जबकि सरकारी अभियान के अंतर्गत यह पूर्णतः निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही है।

भारत सरकार एवं चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग राजस्थान सरकार के तत्वाधान में 28 फरवरी से एचपीवी वैक्सीनेशन अभियान प्रारम्भ किया गया है। इसी क्रम में जिला चिकित्सालय लक्ष्मणगढ़ में भी एचपीवी वैक्सीनेशन शुरू कर दिया गया है। वर्तमान में 14 वर्ष पूर्ण कर चुकी बालिकाओं में सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम हेतु एचपीवी वैक्सीन की सिंगल डोज लगाई जा रही है। टीकाकरण से पूर्व यू-विन (U-WIN) पोर्टल पर पंजीकरण करवाना अनिवार्य होगा। जिला चिकित्सालय लक्ष्मणगढ़ के टीकाकरण कक्ष में यह वैक्सीन प्रतिदिन (राजकीय अवकाश को छोड़कर) प्रातः 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक लगाई जा रही है। आमजन से अपील की है कि निर्धारित आयु वर्ग की पात्र बालिकाएँ जिला चिकित्सालय आकर निःशुल्क एचपीवी वैक्सीन अवश्य लगवाएँ। यह वैक्सीन पूर्णतः सुरक्षित है और भविष्य में सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाव का प्रभावी माध्यम है। डॉ भास्कर ने अभिभावकों से अपील है की कि वे किसी भी प्रकार की भ्रांतियों पर विश्वास न करें तथा अपनी बेटियों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए समय पर टीकाकरण करवाकर इस अभियान को सफल बनाने में सहयोग करें।

भावनात्मक नहीं सशक्त बदलाव की ओर बढ़ी महिलाएं-एडीएम

विभिन्न विभागों की 110 महिला कार्मिकों का हुआ सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज.अजीतगढ़।

इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी के तत्वावधान मे अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस सप्ताह के तहत सोमवार को राबाउप्रावि मे नीमकाथाना के अतिरिक्त जिला कलक्टर भागीरथ साख के मुख्य आतिथ्य,राज.शिक्षा परिषद उपनिदेशक दीपा मुंडोतिया की अध्यक्षता एंव नीमकाथाना अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लोकेश मीणा, श्रीमाधोपुर तहसीलदार स्नेहलता राजोरिया के विशिष्ट आतिथ्य में कर्त्तव्यनिष्ठ महिला सम्मान एंव जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नीमकाथाना

एडीएम साख ने कहा कि महिलाओं को अपने कार्य क्षेत्र में भावनात्मक नहीं सशक्त बदलाव की ओर बढ़ना चाहिए। सदैव अपने दायित्व के निर्वहन हेतु अपना सर्वश्रेष्ठ दिन की महत्वाकांक्षा रखनी चाहिए। नीमकाथाना एएसपी लोकेश मीणा ने कहा कि महिलाऐ आज भी सभी क्षेत्रों में अग्रणी है। इनकी उपलब्धियों के लिए यह वंदनीय एवं अभिनन्दनीय है। सोसायटी द्वारा आयोजित कार्यक्रम मे विभिन्न विभागों की 110 महिला कार्मिकों को सम्मानित किया गया। समारोह मे सीकर जिला समन्वयक राकेश लाटा, पूर्व एडीएम ईश्वर सिंह राठौड़, अजीतगढ डीवाईएसपी प्रेम बहादुर निर्भय,अजीतगढ थानाधिकारी विजय सिंह,सीबीईओ सुमन शर्मा, मोहन लाल,विजय यादव,देवेंद्र परमार,पीके सिंह,महेश दीवान,मनीष मीणा,सोसायटी के तहसील प्रभारी कपिल मीणा,ब्लॉक संयोजक शंकर लाल शर्मा,शिक्षाविद् पवन शर्मा सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। मंच संचालन दिनेश गोविंद शर्मा ने किया।

बासोड़ा पर्व पर शीतला माता मंदिर में भव्य रात्रि जागरण, भजनों की सरिता में डूबे श्रद्धालु

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । शीतला माता मंदिर में बासोड़ा पर्व के अवसर पर ग्रामीणों एवं मंदिर कमेटी की ओर से रविवार रात्रि को भव्य जागरण का आयोजन किया गया। पूरी रात चले इस धार्मिक आयोजन में भजनों की सरिता बहती रही, जिसमें श्रद्धालु भक्तिरस में सराबोर होकर आनंद लेते नजर आए। मंदिर कमेटी एवं आयोजन समिति के सदस्य किशनलाल योगी ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत मंदिर परिसर में विधिवत पूजा- अर्चना के साथ हुई। इसके बाद मंच पर सजे दरबार में दीप प्रज्वलन और गणेश वंदना के साथ जागरण का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेवी राजाराम राजपूत रहे। जागरण में भजन गायक महेंद्र यादव व राम एंड पार्टी के कलाकारों ने अपनी मधुर प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कलाकारों में महेंद्र राम, देवेंद्र यादव, किरण गोला, रामकिशन शर्मा, सोनिया चौधरी और रूबी चौधरी सहित अन्य कलाकारों ने सेढ़ शीतला माता, शिव भोले, श्रीश्याम, राधा-कृष्ण और बजरंगबली हनुमान सहित विभिन्न देवी- देवताओं की स्तुति में एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी। भजनों की मधुर धुनों पर श्रद्धालु कभी तालियां बजाते तो

कभी भक्ति में झूमकर नृत्य करते नजर आए। जागरण में नीमराना, दौलतसिंहपुरा, माधोसिंहपुरा और कालीपहाड़ी सहित आसपास के गांव-ढाणियों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। भक्तों ने माता के मंदिर में धोक लगाकर पूजा-अर्चना की और अपने परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।कार्यक्रम के दौरान उद्योगपति सतबीर गुरुजी, प्राणसुख सैनी (एडवोकेट), किशनलाल योगी (डीलर), मनीराम यादव (मिस्त्री), महेंद्र निमोरिया, मंगूराम सैनी, महावीर सहित मेला कमेटी के सदस्य और सेवक मौजूद रहे। कमेटी की ओर से अतिथियों और भजन गायकों का साफा व माला पहनाकर स्वागत किया गया। पूरे कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर में भक्ति और श्रद्धा का वातावरण बना रहा। श्रद्धालुओं ने माता के जयकारों के साथ जागरण का आनंद लिया।

श्री ढांढण दादी परिवार की मीटिंग आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

श्री ढांढण दादी परिवार की मीटिंग सोमवार को रतनलाल बजाज की अध्यक्षता में आयोजित की गई जिसमें ढांढण दादी परिवार का बीसवां वार्षिकोत्सव एवं विराट भजन संध्या 31 मार्च को धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया । आयोजन के लिए विभिन्न समितियां बनाई गई ।वार्षिकोत्सव में दादीजी का भव्य श्रृंगार अखण्ड ज्योत विशेष आकर्षण रहेंगे विराट भजन संध्या में देश के सुविख्यात गायक कलाकार भजनों की प्रस्तुति देंगे। मीटिंग में मंत्री मुकेश बजाज कोषाध्यक्ष नरेश बजाज विनीत सुशील बजाज संयोजक संदीप बजाज सुरेश बजाज राजेश शिवकुमार बजाज पुनीत बजाज अभिषेक संजेश बजाज अमित बजाज सुमित बजाज उपस्थित थे।

भारतीय ज्ञान प्रणाली आधारित कार्यशाला एवं ज्योतिष, पौरोहित्य तथा प्रशिक्षण शिविर के पोस्टर का लोकार्पण

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

ब्रह्मलीन आचार्य पण्डितश्री नटवरलाल जोशी स्मृति में भारतसरकार- केन्द्रीय विश्वविद्यालय के सौजन्य से श्री शंकराचार्य अभिनव शिक्षण समिति द्वारा आयोजित भारतीय ज्ञान प्रणाली आधारित कार्यशाला के अन्तर्गत परम्परागत प@ाङ्ग प्रशिक्षण की गुरु-शिष्य पद्धति ज्योतिष, पौरोहित्य एवं प@ाङ्ग प्रशिक्षण शिविर नववर्ष अभिनंदन एवं दीक्षान्त सत्र 14 से 19 मार्च, तक आयोजित होंगे। आयोजित कार्यक्रमों के पोस्टर का लोकार्पण रविवार को रघुनाथ जी के बड़े मंदिर के महंत अशोक दास ऊ के द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने आचार्य श्री का पावन स्मरण करते हुए उनके द्वारा सनातन परंपरा के पोषण एवं समाज के उत्थान हेतु चलाए गए कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला। पोस्टर के लोकार्पण के समय लक्षमनगढ पिंजरापोल गौशाला समिति के मंत्री व सेवानिवृत्त सीनियर नर्सिंग ओफिसर सुशील जोशी, पंडित रामजी जोशी, पं. विठ्ठल मिश्र, व्यवसायी गिरधारी लाल शर्मा ,विजय जोशी, शशिकान्त जोशी, प्रदीप दाधीच,शिक्षाविद् अमित शर्मा डॉ. आशीष

जोशी व अन्य गणमान्य जन उपस्थित थे। शिविर का उद्घाटन सत्र 14 मार्च को प्रातः 10:30 बजे श्री ऋषिकुल विद्यापीठ में होगा। प्रशिक्षण के नियमित सत्र 14-18 मार्च से दोपहर 02-05 बजे से श्री केशरीनन्दन हनुमानजी मंदिर में चलेंगे। जबकि पारायण सत्र 18 मार्च को प्रातः 08-10 बजे श्री रघुनाथ जी बड़ा मंदिर, तथा प्रातः 10-12 बजे तक श्री दानव दलन हनुमान मंदिर में होगें। यह जानकारी देते पंडित बलराम इंदोरिया एवं पं. अमित पाराशर ने बताया कि प्रशिक्षण शिविर आचार्य श्री नटवर लाल जोशी विगत कई दशकों से नियमित रूप से आयोजित करते रहे हैं जिनसे लाभान्वित हुए अनेक विद्वज्जन आज समाज में उच्च प्रतिष्ठा पा रहे हैं।

बास्योड़ा चढ़ाकर मांगी सुख-समृद्धि, शीतला अष्टमी पर मंदिरों में उमड़ी आस्था की भीड़

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । शहर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में सोमवार को शीतला अष्टमी का पर्व गहरी आस्था और पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया गया। अलसुबह ब्रह्म मुहूर्त से ही शीतला माता मंदिरों में श्रद्धालुओं का तांता लगना शुरू हो गया और देखते ही देखते मंदिर परिसर माता के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। श्रद्धालु हाथों में जल से भरा लोटा, दही, रौली, अक्षत और बास्योड़ा लेकर माता के दरबार में पहुंचे और विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि, संतानों की लंबी आयु और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। शहर के मंडावर स्थित शीतला माता मंदिर में सुबह करीब चार बजे से ही श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। जैसे-जैसे सूरज चढ़ता गया, मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ती चली गई। महिलाओं ने माता को ठंडे पकवानों का भोग अर्पित कर अपने परिवार की खुशहाली की कामना की। विशेष रूप से चेचक और अन्य चर्म रोगों से मुक्ति तथा बच्चों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए माता शीतला की विशेष पूजा की गई। धार्मिक मान्यता के अनुसार शीतला अष्टमी के दिन घरों में चूल्हा नहीं जलाया जाता और एक दिन पहले बनाए गए ठंडे पकवान ही माता को अर्पित किए जाते हैं। इसी परंपरा के तहत श्रद्धालुओं ने एक दिन पूर्व बनाए गए राबड़ी, पूड़ी, गुलगुले और अन्य व्यंजनों को बास्योड़ा के रूप में माता को अर्पित किया और बाद में प्रसाद स्वरूप ग्रहण किया। मान्यता है कि माता शीतला को शीतल और ठंडे पदार्थ प्रिय होते हैं, इसलिए इस दिन ठंडे भोजन का ही भोग लगाया जाता है। इस अवसर पर मंदिर में माता शीतला की प्रतिमा का आकर्षक श्रृंगार किया गया, जिससे मंदिर परिसर भक्ति और आस्था के रंग में सराबोर नजर आया। पूरे दिन मंदिरों में श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही और महिलाएं पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ पूजा-अर्चना करती नजर आईं। ग्रामीण अंचलों में शीतला अष्टमी का यह पर्व केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक ही नहीं, बल्कि लोक परंपरा और सामाजिक संस्कृति की भी झलक प्रस्तुत करता है। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि सच्चे मन से माता शीतला की पूजा करने से परिवार में सुख-शांति बनी रहती है और रोग-व्याधियों से भी रक्षा होती है। मंडावर क्षेत्र में मनाया गया यह पर्व आस्था, परंपरा और लोक संस्कृति के सुंदर संगम के रूप में पूरे दिन श्रद्धा के वातावरण में संपन्न हुआ।

संघर्ष की मिसाल माँ की बेटी का विवाह बना समाज के सहयोग का उत्सव

साइंस कैंपस विद्यालय मंडावर ने बढ़ाया मानवीय संवेदना का हाथ

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । समाज में अक्सर कहा जाता है कि 'मुश्किलों से घबराने वाले इतिहास नहीं बनाते, इतिहास वही बनाते हैं जो संघर्ष को अपनी ताकत बना लेते हैं।' मंडावर क्षेत्र में रविवार को ऐसा ही एक प्रेरणादायी और मानवीय संवेदना से भरा दृश्य देखने को मिला, जब एक संघर्षशील विधवा माता की बेटी के विवाह के अवसर पर साइंस कैंपस विद्यालय, मंडावर परिवार ने आगे बढ़कर सहयोग का उदाहरण प्रस्तुत किया और पूरे क्षेत्र में सामाजिक जिम्मेदारी की मिसाल कायम की। दरअसल यह कहानी केवल एक विवाह की नहीं, बल्कि उस माँ के अदम्य साहस, त्याग और संघर्ष की है जिसने पति के असमय निधन के बाद टूटने के बजाय अपने आंसुओं को हौसले में बदल दिया। जीवन के कठिन दौर में जब सहारा देने वाला कोई नहीं था, तब इस माता के सामने सबसे बड़ी जिम्मेदारी अपनी पाँच बेटियों का पालन-पोषण और उनका भविष्य संवारना था। ग्रामीण समाज में जहाँ अक्सर बेटे को वंश का

सहारा माना जाता है, वहीं इस माँ ने अपने संघर्ष से यह साबित कर दिया कि 'बेटियां बोझ नहीं, बल्कि घर की असली ताकत और सम्मान होती हैं। ' पति के निधन के बाद आर्थिक और सामाजिक चुनौतियों के बीच इस माँ ने हार नहीं मानी। दिन-रात मेहनत करके उन्होंने अपनी पाँचों बेटियों को पढ़ाया-लिखाया और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प निभाया। संघर्ष के इसी सफर में आज वह दिन भी आया जब उनकी एक बेटी के विवाह का शुभ अवसर सामने आया। यह क्षण केवल उस परिवार के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए प्रेरणा और गर्व का अवसर बन गया। इसी मानवीय संवेदना और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को आगे बढ़ाते हुए साइंस कैंपस विद्यालय, मंडावर परिवार ने इस विवाह को केवल एक निजी समारोह न मानकर समाज के सहयोग का उत्सव बना दिया। विद्यालय परिवार, विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों ने सामूहिक सहयोग से बेटी के विवाह के लिए 31 हजार रुपये की आर्थिक सहायता, 25 साड़ियां, 10 जोड़ी पेंट-शर्ट, बर्तन तथा अन्य आवश्यक उपहार भेंट कर मानवता और सामाजिक सहयोग की मिसाल पेश की। विद्यालय प्रबंधन ने इस अवसर पर कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं होती, बल्कि समाज के प्रति संवेदनशीलता और सहयोग की भावना भी उतनी ही जरूरी है। यही कारण है कि साइंस कैंपस विद्यालय मंडावर हमेशा से शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक दायित्वों को निभाने में भी अग्रणी रहा है। विद्यालय परिवार का यह सहयोग केवल आर्थिक सहायता नहीं बल्कि उस माँ के संघर्ष को सम्मान देने और समाज में मानवीय मूल्यों को मजबूत करने का प्रयास है। ग्रामीण परिवेश में इस तरह का सामूहिक सहयोग यह संदेश देता है कि जब समाज एकजुट होकर किसी जरूरतमंद का साथ देता है, तो कठिन से कठिन परिस्थिति भी आसान बन जाती है। सच ही कहा गया है–

'जहाँ सहयोग की भावना होती है, वहाँ हर मुश्किल आसान हो जाती है,
और जहाँ बेटियों का सम्मान होता है, वहाँ खुशियों की बरसात हो जाती है। '

इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने संघर्षशील माता के साहस और समर्पण को नमन करते हुए नवविवाहित जोड़े के सुखद एवं समृद्ध जीवन की कामना की। कार्यक्रम के दौरान भावुक माहौल के बीच लोगों ने कहा कि समाज की असली ताकत आपसी सहयोग और संवेदना में ही निहित है। अंत में यही संदेश उभरकर सामने आया कि 'बेटियां घर की शान होती हैं, माँ का अभिमान होती हैं, जिस घर में उनका सम्मान होता है वही घर सच में महान होता है।' मंडावर में हुआ यह सहयोग का उदाहरण न केवल एक बेटी का घर बसाने का माध्यम बना, बल्कि समाज में मानवीय संवेदनाओं और सामाजिक जिम्मेदारी की एक नई मिसाल भी स्थापित कर गया।

कन्नू प्रिया की घोड़ी पर बिठाकर निकाल बंदोरी

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । कस्बे के निकट गोरिया धनावता में कनु प्रिया की घोड़ी पर बैठाकर बंदोरी निकाली गई।राठी परिवार के आवास से डीजे की धुन के साथ कन्नू प्रिया की घोड़ी पर बैठाकर बंदोरी निकल

गई। कस्बे के ओमप्रकाश राठी अध्यापक की पुत्री को घोड़ी पर बैठाकर बंदोरी निकाली। बेटी के चाचा उदमी प्रसाद राठी ने बताया कि बेटे बेटी में कोई फर्क नहीं है बेटियां ही राष्ट्र निर्माण का आधार है हमें बैटे-बेटी में किसी प्रकार का विभेद नहीं करना चाहिए।

महिला दिवस पर 31 प्रेरक महिलाओं का सार्वजनिक सम्मान

महवा की अनीता अवस्थी को सेवा कार्यों के लिए मिला विशेष अभिनंदन।

भीम प्रज्ञा न्यूज.दौसा-लालसोट।

मनोज खंडेलवाल । अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर लालसोट में मातृशक्ति के सम्मान का एक प्रेरणादायी दृश्य देखने को मिला, जब अनुराग सेवा संस्थान लालसोट ने अपने 31 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में आयोजित 'अनुराग मातृशक्ति वंदना 2026' कार्यक्रम के तहत विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली 31 विशिष्ट महिलाओं का सार्वजनिक अभिनंदन किया। एबीपी महाविद्यालय लालसोट में आयोजित इस समारोह में समाज सेवा, शिक्षा, जनजागरूकता और नवाचार के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाओं को सम्मानित कर उनके कार्यों को समाज के सामने प्रेरणा के रूप में प्रस्तुत किया गया। संस्थान के संस्थापक सियाराम शर्मा ने बताया कि अनुराग सेवा संस्थान के 31 वर्ष पूर्ण होने पर इस वर्ष 'अनुराग 31' श्रृंखला के तहत 31 सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें मातृशक्ति वंदना कार्यक्रम प्रमुख रहा।

कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में सकारात्मक बदलाव लाने वाली महिलाओं के योगदान को सम्मानित करना और नई पीढ़ी को प्रेरणा देना है। इस अवसर पर महवा निवासी अनीता अवस्थी, धर्मपत्नी अवधेश कुमार अवस्थी और पिता जगदीश प्रसाद शर्मा को उनके उत्कृष्ट सामाजिक योगदान के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। अवस्थी लंबे समय से शिक्षा, सामाजिक जागरूकता और जनसेवा के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। कोरोना काल के दौरान उन्होंने गांव-गांव और घर-घर जाकर लोगों को मास्क, सेनेटाइजर, भोजन और पानी उपलब्ध कराते हुए कोरोना से बचाव के प्रति जागरूक किया। इसके साथ ही स्वीप सह-कोऑर्डिनेटर के रूप में मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक करने और महिला सुरक्षा सखी के रूप में पुलिस के साथ मिलकर महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों और सुरक्षा के प्रति जागरूक करने का महत्वपूर्ण कार्य किया। उन्होंने सामाजिक सेवा के क्षेत्र में सक्रिय रहते हुए अपना घर सेवा समिति महवा के माध्यम से जरूरतमंदों की सहायता की, वहीं श्रीकृष्ण गोपाल गौशाला महवा में गायों के संरक्षण और जीव-जंतुओं की सेवा के कार्यों में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए वृक्षारोपण करना, निशुल्क पौधे वितरित करना तथा पक्षियों के लिए परिंदे लगाना भी उनके सेवा कार्यों का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। राष्ट्रीय स्वच्छता मिशन, मतदाता जागरूकता अभियान, साक्षरता अभियान और पल्स पोलियो जैसे राष्ट्रीय कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए उन्होंने समाज में जनहित के कार्यों को आगे बढ़ाया। इसके साथ ही इंदिरा विद्या मंदिर समिति महुवा के सहयोग से स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस पर क्षेत्र के 25 शहीदों की वीरांगनाओं को अपने निजी खर्चे से शॉल भेंट कर प्रशासन की उपस्थिति में सम्मानित करने जैसे कार्य भी किए, जो समाज के प्रति उनके समर्पण का प्रमाण हैं। उन्होंने सड़कों पर भीख मांगने और कचरा बीनने वाले बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास करते हुए उन्हें विद्यालयों में प्रवेश दिलाने का कार्य भी किया। वहीं लावारिस और बीमार महिला-पुरुषों को पुलिस के माध्यम से अपना घर सेवा आश्रम भरतपुर और सबका घर दौसा भेजकर मानवीय सेवा का उदाहरण भी प्रस्तुत किया। इन सभी सामाजिक सेवाओं और जनहितकारी कार्यों को देखते हुए अनुराग सेवा संस्थान लालसोट के पदाधिकारियों और अतिथियों ने अनीता अवस्थी का सार्वजनिक अभिनंदन करते हुए उन्हें शॉल ओढ़ाकर, अभिनंदन पत्र, स्मृति चिन्ह और तुलसी का पौधा भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में नगर पालिका सभापति पिंकी चतुर्वेदी, तहसीलदार सीमा घुणावत, चयन समिति सदस्य पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी अंजना त्यागी, प्रधानाचार्य चेतना बंसीवाल, समन्वयक प्रियंका चौधरी, संस्थान अध्यक्ष अंशुल सोनी, सचिन श्याम सुंदर शर्मा, संस्थापक संयोजक सियाराम शर्मा और प्रेस सचिव अनिल नीमला सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ता, संस्थान पदाधिकारी, मातृशक्ति, छात्र-छात्राएं और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

आमजन को त्वरित राहत देने के लिए प्रशासन की पहल, अधिकारियों को दिए समयबद्ध निस्तारण के निर्देश

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से सोमवार को टोहाना में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की अध्यक्षता एसडीएम आकाश शर्मा ने की। इस दौरान उन्होंने शिविर में पहुंचे प्रत्येक व्यक्ति की समस्या को ध्यानपूर्वक सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कई मामलों का मौके पर ही समाधान करवाया। एसडीएम आकाश शर्मा ने कहा कि सरकार की जनहितैषी नीतियों के अनुरूप प्रशासन का प्रयास है कि आम नागरिकों की समस्याओं का समाधान एक ही स्थान पर शीघ्रता से किया जा सके। समाधान शिविर इसी उद्देश्य से आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि लोगों को विभिन्न कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़े और उन्हें त्वरित राहत मिल सके। उन्होंने बताया कि शिविर में परिवार पहचान पत्र (पीपीपी) से संबंधित दो आवेदन प्राप्त हुए। इन आवेदनों को तुरंत संबंधित विभागों को फॉरवर्ड कर दिया गया है और अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि इनका शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी आवेदन को लंबित न रखा जाए और प्रत्येक शिकायत का गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए। एसडीएम ने कहा कि प्रशासन यह सुनिश्चित कर रहा है कि कोई भी पात्र व्यक्ति सरकार की योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। समाधान शिविर

में परिवार पहचान पत्र में आय से संबंधित त्रुटियों को ठीक करवाने, नए सदस्यों को जोड़ने, राशन कार्ड, बिजली विभाग तथा पुलिस विभाग से संबंधित समस्याएं भी प्राप्त होती हैं। इन शिकायतों को संबंधित विभागों को मौके पर ही अग्रेषित कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जाते हैं, ताकि नागरिकों को जल्द से जल्द राहत मिल सकें। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर प्रशासन और जनता के बीच संवाद का एक सशक्त माध्यम बनकर उभर रहे हैं। इन शिविरों के माध्यम से विभिन्न विभागों से जुड़ी समस्याओं का त्वरित निपटारा किया जा रहा है और लोगों को पारदर्शी व जवाबदेह प्रशासन का लाभ मिल रहा है। एसडीएम आकाश शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लें और तय समय सीमा के भीतर उसका समाधान सुनिश्चित करें, ताकि आमजन का प्रशासन के प्रति विश्वास और अधिक मजबूत हो सके।

नया शिक्षा सत्र 2026 -27 एक अप्रैल से शुरू

12वीं बोर्ड परीक्षा के बाद होंगे महात्मा गांधी स्कूलों में प्रवेश

भीम प्रज्ञा न्यूज

बीकानेर । प्रदेश में संचालित महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों में प्रवेश की प्रक्रिया 12वीं बोर्ड परीक्षा के बाद शुरू की जाएगी। 12वीं बोर्ड की परीक्षा 11 मार्च को खत्म होगी। नया शिक्षा सत्र 2026 -27 एक अप्रैल से शुरू होने के कारण इस बार महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों में भी प्रवेश की प्रक्रिया पिछले सत्र के मुकाबले दो माह पहले शुरू की जा रही है। प्रदेश के 3737 महात्मा गांधी इंग्लिश

मीडियम स्कूलों में प्रवेश के लिए आवेदन की प्रक्रिया 14 मार्च से शुरू की जाएगी। अभ्यर्थी 23 मार्च तक आवेदन कर सकेंगे। निर्धारित सीटों से अधिक आवेदन आने पर 25 मार्च को लॉटरी के जरिए अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। प्रदेश में संचालित 3737 स्कूलों में से अनेक में 50' से अधिक सीटें रिक्त हैं। इंग्लिश मीडियम स्कूलों में प्रवेश के संबंध में माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने सोमवार को टाइम फ्रेम घोषित कर दिया है। इंग्लिश स्कूलों में प्रवेश के लिए अभ्यर्थियों को आवेदन करने के लिए 10 दिन का समय दिया गया है। दरअसल, राज्य सरकार ने निजी स्कूलों में निशुल्क प्रवेश और विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूलों में प्रवेश की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इन स्कूलों में नया शिक्षा सत्र 1 अप्रैल से शुरू हो रहा है। लेकिन बोर्ड परीक्षा और होम एग्जाम होने के कारण महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों में प्रवेश की प्रक्रिया 11 मार्च के बाद शुरू की जाएगी।

राणासर निर्झरा धाम आश्रम पर 108 कुडीय श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का शानदार आगाज

यज्ञ में आहुतियां आध्यात्मिक पर्यावरणीय और वैज्ञानिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है..... मदनलाल भावरिया

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । नीमकाथाना के नजदीक राणासर में स्थित निर्झर धाम में रविवार को विशाल कलश यात्रा के साथ 108कुंडीय श्रीलक्ष्मीनारायण महायज्ञ की विधिवत् शुरूआत हो गई है। नागौर बल्डाधाम के महंत सीताराम दास महाराज के परम् सानिध्य में हो रहें श्रीलक्ष्मीनारायण महायज्ञ के तहत धार्मिक कार्यक्रमों की शुरूआत रविवार से कलश यात्रा के साथ शुरू हुई थी द्य यज्ञ प्रवक्ता संजय शास्त्री ने बताया कि सोमवार को प्रातः कालीन गणपति आदि देवताओं की पूजा होने के बाद अरणी मंथन करके अग्नि देव को अवॉइड किया गया तथा प्रारंभ में भगवान गणेश , मातृका, नवग्रह, वरुण भगवान, 64 योगिनी, 52 भैरव ,भगवान वास्तु ,भद्र मंडल देवताओं की तथा पुरुष सूक्त की आहुति दिलवाई गई द्य अरणी मंथन श्री श्री 1008 सीताराम दास जी महाराज बल्डा धाम, झडाया बजरंग धाम आश्रम के महंत श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर सीताराम दास जी महाराज , अवध बिहारी दास घोघाडी धाम के सानिध्य में अरणी मंथन हुआद्य यज्ञाचार्य चिरंजीव शास्त्री के सानिध्य में विप्रजनों ने 108कुंडीय श्रीलक्ष्मीनारायण महायज्ञ में यजमानों की पूजा अर्चना करवाकर मंडप प्रवेश करवाया। यज्ञ प्रेमी मदनलाल भांवरिया ने बताया कि सोमवार को प्रातः देव पूजा, अरणी मन्थन, अग्नि स्थापना, यज्ञ प्रारम्भ व संध्या आरती, 9मार्च से 15 मार्च तक प्रातः 9 से 12 बजे व दोपहर 3 से 6 बजे तक यज्ञ में आहुतियां दी जायेंगी। 16 मार्च को प्रातः 12:15 बजे देवपूजा के बाद पूर्णाआहुति होगी। कार्यक्रम के समापन पर विशाल भंडारे का आयोजन भी होगा। धार्मिक कार्यक्रम में पधारे विप्रजनों व संतों का सम्मान भी किया जायेगा। यज्ञ में आहुतियां आध्यात्मिक पर्यावरणीय और वैज्ञानिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है द्य यह देवताओं को प्रसन्न कर आशीर्वाद पाने और स्वाहा के माध्यम से सामग्री पहुंचाने का माध्यम है जो वातावरण से हानिकारक बैक्टीरिया नष्ट करने मानसिक शांति व मन शरीर की शुद्धिकरण करने में सहायक है यज्ञ प्रेमी मदनलाल भावरिया ने बताया कि सीतारामदास महाराज बल्डाधाम नागौर के सानिध्य में 105 महायज्ञ देश के विभिन्न राज्यों में सम्पन्न हो चूंके है। निर्झरा धाम आश्रम पर सीताराम दास जी महाराज बल्डाधाम के सानिध्य में यह 106 वा यज्ञ चल रहा है।

हरियाणा बेरोजगारी व अपराध के मामले में देशभर में अव्वल स्थान पर है - बजरंग गर्ग

सरकार को व्यापारी जो भी टैक्स जमा करवाए उस टैक्स का 5 प्रतिशत कमीशन प्रोत्साहन के रूप में सरकार को व्यापारियों को देना चाहिए - बजरंग गर्ग

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । व्यापारी प्रतिनिधियों की मीटिंग हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष व हरियाणा कान्फैड के पूर्व चेयरमैन बजरंग गर्ग की अध्यक्षता में टोहाना के निजी होटल में हुई। इस मीटिंग में व्यापारियों की समस्या पर विचार किया गया। व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने व्यापारियों की मीटिंग लेने के उपरांत पत्रकार वार्ता में कहा कि देश व प्रदेश का व्यापारी व उद्योगपति रात-दिन मेहनत करके सरकार को करोड़ों रुपए का टैक्स दे रहा है। सरकार को व्यापारी जो भी टैक्स जमा करवाए उस टैक्स का 5 प्रतिशत कमीशन प्रोत्साहन के रूप में सरकार को व्यापारियों को देना चाहिए जबकि व्यापारियों द्वारा जनता से टैक्स इकट्ठा करने के लिए सीए, बैंक चार्ज, मुनीम, स्टेशनरी चार्ज आदि सारे खर्चे अपने घर से करता है अगर बिलिंग व लेन-देन में कोई गलती हो जाए तो व्यापारियों को अनाप-शनाप टैक्स व जुर्माना भरना पड़ता है और व्यापारियों पर 24 घंटे अफसरशाही की तलवार लटकती रहती है। इतना ही नहीं सेल पर जो इनकम होती है उस पर 30 प्रतिशत इनकम टैक्स व्यापारियों को केंद्र सरकार को देना पड़ता है मगर इतना कुछ करने के बाद भी व्यापारियों को सरकार की तरफ से कुछ नहीं मिलता है जो उचित नहीं है। बजरंग गर्ग ने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार को व्यापार व उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए ज्यादा से ज्यादा सुविधा देने की जरूरत है ताकि जो लाखों युवा पीढ़ी बेरोजगार घूम रहे हैं उनका रोजगार मिल सकें। आज हरियाणा बेरोजगारी व अपराध के मामले में देशभर में अव्वल स्थान पर है। हरियाणा में खुले आम नशे का व्यापार फल-फूल रहा है, जिसके कारण युवा पीढ़ी नशे के दल-दल में धस्ती जा रही है। नशा मीठा जहर है जो हमारे युवा पीढ़ी को बर्बाद कर रहा है। सरकार को अपराध व नशे पर रोक लगाने के लिए कठोर से कठोर कदम उठाने चाहिए। देश व प्रदेश में नशे का व्यापार करने वालों के खिलाफ सरकार को फांसी की सजा का कानून बनना चाहिए ताकि भविष्य में कोई भी अपराधी नशे का व्यापार करने की हिम्मत ही ना कर सकें। सरकार को अपराध को खत्म करने के लिए अपराधियों के पक्का चीरा लगाने की जरूरत है। जो भी अपराधी फायरिंग करके फिरौती मांग रहे हैं सरकार को उन अपराधियों पर उसी हिसाब से जवाबी कार्रवाई करके अपराध को खत्म करने की जरूरत है। इस अवसर पर प्रधान राजेंद्र ठकराल, प्रदेश प्रवक्ता पवन वधवा, अग्रवाल सभा प्रधान रमेश गोयल, युवा प्रधान जॉनी मेहता, प्रदेश सचिव अशोक मेहता, महासचिव रमेश गर्ग, प्रदेश संगठन मंत्री राजेन्द्र बंसल, कार्यकारिणी प्रधान ओमकार गर्ग, रमेश मेहता, विक्की ठकराल, रवि ठकराल, प्रवेश गर्ग, कोला सिंगला,कपिल गर्ग , गौरव पाहावा,कोर चंद सिंगला, सचिन भाटिया,सतपाल गर्ग, दीपक जैन, कन्हैया लाल, यश मेहता, प्रवीण मेहता, विजय ठकराल आदि प्रतिनिधियों ने अपने विचार रखें।

फतेहाबाद पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में यातायात व्यवस्था पर समीक्षा बैठक आयोजित

अनुशासन, जनसहभागिता और मानवीय दृष्टिकोण पर रहा मुख्य फोकस

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस की अध्यक्षता में आज पुलिस लाइन स्थित एनजीओ मैश मीटिंग हॉल में जिला यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने हेतु एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में डीएसपी जगदीश, यातायात प्रभारी उपनिरीक्षक जय सिंह, रतिया जोन ट्रैफिक इंचार्ज उपनिरीक्षक भीम सिंह, टोहाना जोन इंचार्ज निरीक्षक अजमेर, प्रवाचक सहायक उपनिरीक्षक संदीप कुमार सहित जिलेभर के ट्रैफिक पुलिसकर्मी उपस्थित रहें। बैठक का उद्देश्य जिले में सुरक्षित, सुगम और संवेदनशील यातायात प्रबंधन प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाना रहा। इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने सड़क सुरक्षा, चालान प्रक्रिया में पारदर्शिता, ओवरलोडिंग, गलत पार्किंग, अवैध स्टंटबाजी तथा हेलमेट एवं सीट बेल्ट की अनिवार्यता जैसे विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की।

आपातकालीन वाहनों को रास्ता न देने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

एस.पी. सिद्धांत जैन ने स्पष्ट निर्देश दिए कि एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड एवं अन्य आपातकालीन वाहनों को रास्ता न देने वालों के खिलाफ बिना किसी ढिलाई के सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि 'एम्बुलेंस को रास्ता न देना सीधे तौर पर मानव जीवन से खिलवाड़ है। यदि कोई चालक जानबूझकर आपातकालीन वाहन का रास्ता रोकता है, तो उसके खिलाफ भारी जुर्माना व सख्त कानूनी अमल सुनिश्चित किया जाए, क्योंकि ऐसे मामलों में किसी प्रकार की नरमी नहीं बरती जाएगी। '

दिव्यांगजनों व बुजुर्गों की सहायता के लिए पुलिस को सख्त निर्देश

समीक्षा बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक ने मानवीय दृष्टिकोण पर बल देते हुए निर्देश दिए कि सभी रेड लाइट चौराहों एवं व्यस्त मार्गों पर तैनात पुलिस कर्मचारी दिव्यांगजनों बुजुर्गों एवं बेसहारा नागरिकों को सड़क पार करवाने में उनकी सक्रिय रूप से सहायता करें। उन्होंने कहा कि यातायात पुलिस का चेहरा जनता के प्रति संवेदनशील होना चाहिए और विशेष रूप से दिव्यांगजनों की मदद करना प्रत्येक कर्मी की प्राथमिकता होनी चाहिए।

दुर्घटनाओं में त्वरित राहत सर्वोच्च प्राथमिकता

उन्होंने कहा कि किसी भी सड़क दुर्घटना या आपात स्थिति में ट्रैफिक पुलिस को तुरंत मौके पर पहुंचकर घायल को प्राथमिक सहायता दिलवाने एवं अस्पताल पहुंचाने की जिम्मेदारी निभानी चाहिए। प्रत्येक सेकेंड की अहमियत को समझते हुए संवेदनशीलता के साथ कार्य किया जाए। बैठक के समापन पर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि यातायात पुलिस की भूमिका केवल दंडात्मक नहीं, बल्कि सहयोगात्मक और संवेदनशील होनी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि पुलिस की मौजूदगी जनता में सुरक्षा और विश्वास का भाव पैदा करे, न कि भय का। उन्होंने अंत में कहा कि बेहतर यातायात व्यवस्था केवल पुलिस की नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक की साझा जिम्मेदारी है।

अंतराष्ट्रीय महिला दिवस पर वीर माता डॉ रमाकांत सम्मान समारोह हिसार में हुआ आयोजित-प्रैस प्रवक्ता विनय वर्मा

भीम प्रज्ञा न्यूज.हिसार/टोहाना।

रजत विजय रंगा । अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर वीर माता डॉ रमा कांता सम्मान समारोह में प्रदेश भर से 101 महिलाएं सम्मानित की गई। जानकारी देते हुए सूरज सेवा फाउंडेशन के डायरेक्टर हरीश सिराधना और प्रेस प्रवक्ता विनय वर्मा ने बताया कि आयोजन नारायणी देवी सेवा सदन, डी.एन. कॉलेज रोड, हिसार में किया गया। यह कार्यक्रम संस्था की पहल 'वीरांगना - शिक्षा के साथ सुरक्षा' के अंतर्गत आयोजित किया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. रमाकांता शर्मा उपस्थित रहीं, जो बहुमुखी प्रतिभा की धनी, 70 से अधिक पुस्तकों की लेखिका, दो विषयों में पीएचडी धारक तथा कई राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित हैं। उनके साथ विशेष अतिथि के रूप में श्री जनार्दन शर्मा (पूर्व निदेशक, युवा कल्याण, एमडीयू रोहतक) सहित विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े अनेक गणमान्य अतिथियों ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस कार्यक्रम का उद्देश्य उन माताओं को सम्मानित करना था जिनके बच्चों ने इस वर्ष उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, साथ ही खेल व शिक्षा के क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने वाले प्रिंसिपलों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान अनेक बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए तथा महिला सशक्तिकरण पर प्रेरणादायक कविताएं सुनाईं। इसके साथ ही मिशन वीरांगना की टीम द्वारा शानदार महिला शक्ति प्रदर्शन किया गया, जिसमें लड़कियों ने तलवार, लाठी, नॉन-चाक तथा आत्मरक्षा की विभिन्न तकनीकों का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। इसके अतिरिक्त सूरज कराटे प्लेनेट के कराटे खिलाड़ियों ने भी कराटे की विभिन्न तकनीकों का प्रदर्शन कर दर्शकों का मन मोह लिया। वहीं विभिन्न कलाकारों ने अपने डांस और शानदार प्रस्तुतियों से कार्यक्रम को और भी रोमांचक बना दिया। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन स्वीटी वर्मा और विकास रानी तथा विनय वर्मा ने किया।इसके अलावा समाज सेवा, शिक्षा, खेल, कला, प्रशासन और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली कई हस्तियों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में आजादो देवी (राष्ट्रीय मास्टर्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप कांस्य पदक विजेता), ममता जी (सब-इंस्पेक्टर, हरियाणा पुलिस), ईशु जांगिड़ (महिला उद्यमी), रेखा वर्मा सरीन (प्रसिद्ध कलाकार), रमा बल्हारा, श्री रामपाल बल्हारा और श्री विनय वर्मा व राष्ट्रीय शिक्षा समिति के अध्यक्ष वीरेंद्र कौशल और रजनी शर्मा सहित कई गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।सूरजसेवा फाउंडेशन के निदेशक श्री हरीश सिराधना ने बताया कि 'वीर माता सम्मान समारोह' का यह तीसरा आयोजन है। उन्होंने कहा कि सूरजसेवा फाउंडेशन पिछले कई वर्षों से बेटियों और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। संस्था अब तक 50,000 से अधिक लड़कियों को आत्मरक्षा प्रशिक्षण दे चुकी है तथा पिछले 12 वर्षों से निशुल्क कराटे प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन करती आ रही है।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ताओं, खिलाड़ियों, शिक्षकों और शहर के गणमान्य लोगों ने भाग लिया और इस पहल की सराहना की।

कुतीना के शहीद की बेटी आंचल चौहान बनी इंडस्ट्रियल प्रमोशन ऑफिसर, उद्योग मंत्री ने सौंपा नियुक्ति पत्र

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । नीमराना उपखंड क्षेत्र के लिए गर्व की बात है कि कुतीना गांव की बेटी आंचल चौहान का राजस्थान सरकार के उद्योग विभाग में इंडस्ट्रियल प्रमोशन ऑफिसर के पद पर चयन हुआ है। उनकी इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर है और लोगों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर राजस्थान सरकार के उद्योग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने आंचल चौहान को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। इस मौके पर मंत्री ने आंचल की मेहनत और संघर्ष की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। गौरतलब है कि आंचल चौहान शहीद रिसालदार बालकिशन सिंह चौहान की सुपुत्री हैं। उनके पिता देश की सेवा करते हुए शहीद हो गए थे। पिता की शहादत के बाद परिवार को कई कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा, लेकिन आंचल ने हिम्मत नहीं हारी और अपने पिता के सपनों को साकार करने के लिए निरंतर मेहनत करती रहीं। परिवार में देशसेवा की भावना भी दिखाई देती है। आंचल के बड़े भाई भारतीय सेना में रहकर देश की सेवा कर रहे हैं, जबकि उनकी छोटी बहन सीकर के एक सरकारी कॉलेज में पढ़ाई कर रही हैं। विपरीत परिस्थितियों के बावजूद आंचल चौहान ने अपनी लगन, मेहनत और दृढ़ संकल्प से यह मुकाम हासिल कर न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनकी इस सफलता पर क्षेत्रवासियों, मित्रों और शुभचिंतकों ने उन्हें हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

भोपालगढ़ फोर्ट पर गेट लगाने का विरोध:व्यापारियों ने बंद रखीं दुकानें, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

भीम प्रज्ञा न्यूज

खेतड़ी । खेतड़ी ट्रस्ट की ओर से भोपालगढ़ फोर्ट पर जाने वाले रास्ते पर गेट लगाकर अवरोध पैदा करने के विरोध में सोमवार को व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठान बंद रखे। उन्होंने एसडीएम कार्यालय के सामने एक दिवसीय सांकेतिक धरना दिया और तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा।

आवाजाही के लिए रास्ता खुला रखने की मांग

तहसीलदार सुनील कुमार को सौंपे गए ज्ञापन में बताया-भोपालगढ़ फोर्ट का रास्ता आमजन की आवाजाही के लिए खुला रहना चाहिए। मार्ग पर गेट लगाकर अवरोध खड़ा करना जनहित के खिलाफ है। खेतड़ी कस्बा रियासत कालीन समय का विश्व प्रसिद्ध कस्बा है। रियासत कालीन समय में खेतड़ी में अनेक भवनों, महलों और किलों का निर्माण करवाया गया था। भोपालगढ़ किला भी ऐतिहासिक रूप से रियासत कालीन समय में बनाया गया था, जिसका उपयोग तत्कालीन समय में सामरिक और रिहायसी निवास के लिए किया जाता था। भोपालगढ़ ग्राम में आज भी लोग रहकर अपना जीवन यापन कर रहे हैं। खेतड़ी की राजसी संपत्ति के स्वामित्व को लेकर काफी समय से विवाद चल रहा है। इसके बावजूद भी ट्रस्ट के लोगों ने कब्जा करने का प्रयास करते हुए मुख्य द्वार पर ताला लगा दिया। भोपालगढ़ किले के मुख्य द्वार पर गेट लगाने को लेकर क्षेत्र की जनता में काफी आक्रोश है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि पांच दिन में उनकी मांगों का समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन तेज किया जाएगा।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष गोकुलचंद सैनी, भामाशाह मनोज कुमार घुमरिया, हरमेंद्र चनानिया, विनोद सोनी, निकेश पारीक, महेंद्र पारीक, विजेश शाह, राजेश सांखला, सुधीर गुप्ता, विद्याधर सैनी, नवल किशोर पारीक, सीताराम वर्मा, बंटी शर्मा, इंद्राज सैनी, चंदगीराम सैनी सहित अनेक लोग मौजूद रहे। तहसीलदार सुनील कुमार ने बताया कि भोपालगढ़ किले के मुख्य द्वार पर गेट लगाया गया है, ग्रामीणों की शिकायत पर कुछ रोज पहले मैं देखकर आया था, जब वह खुला हुआ था। आज ग्रामीणों की ओर से ज्ञापन दिया है जिस दोबारा मौका मुआयना किया जाएगा।

सीकर में महिलाएं बोलीं- मकान टूटे तो सुसाइड को मजबूर

पुरोहितों की ढाणी के लोगों ने जताया विरोध, सड़क की चौड़ाई 30 फीट ही रखने की मांग

भीम प्रज्ञा न्यूज

सीकर । सीकर में कई कॉलोनियों में नगर परिषद की ओर से सड़क चौड़ी करने में मकान तोड़ने की कार्रवाई की जाएगी। इस पर पीड़ित महिलाएं बोलीं- मकान टूटे तो हम बच्चों के साथ सुसाइड को मजबूर होंगे। सीकर शहर के पुरोहितजी की ढाणी, बसंत विहार व रामपुरा रोड को 40 फीट और 60 फीट करना प्रस्तावित है। इसे लेकर नगर परिषद ने पिछले दिनों अतिक्रमण पर मार्किंग की है। वहीं प्रशासन के फैसले का स्थानीय लोगों ने विरोध शुरू कर दिया है। पुरोहितों की ढाणी के लोगों ने सोमवार को नगर परिषद अधिकारियों और जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर सड़क की चौड़ाई 30 फीट ही रखने की मांग की है।

प्रभावित लोगों ने कहा- सड़क की चौड़ाई बढ़ने से कई मकान व दुकानें पूरी तरह से टूट जाएंगी। इससे कई परिवार बेघर हो जाएंगे। स्थानीय लोगों ने मांगें नहीं मानने पर बड़े आंदोलन तक की चेतावनी दी है।

सड़क 40 फीट चौड़ी करने का नोटिफिकेशन जारी

सीकर शहर के पुलिस लाइन से राधाकिशनपुरा होते हुए जयपुर-झुंझुनूं बाइपास तक प्रस्तावित 40 फीट सड़क चौड़ी की जाएगी। लोगों ने इसे संशोधित कर 30 फीट ही रखने की मांग की। स्थानीय ग्रामीण सोमवार को जिला कलेक्ट्रेट और नगर परिषद पहुंचे। लोगों ने नगर परिषद अधिकारियों को मांगों से अवगत करवाया। इसके बाद मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को भी ज्ञापन सौंपा।

लोगों ने बताया- शहर के पुलिस लाइन तिराहे से राधाकिशनपुरा होते हुए जयपुर-झुंझुनूं बाइपास से जुड़ने वाली सड़क को 40 फीट चौड़ी करने का नोटिफिकेशन जारी किया गया है। सड़क चौड़ाई 40 फीट करने से स्थानीय लोगों और दुकानदारों को काफी नुकसान का सामना करना पड़ेगा।

लोग बोले- मकान पूरी तरह हो जाएंगे ध्वस्त

स्थानीय लोगों ने कहा- यह रोड राष्ट्रीय राजमार्ग या राज्य राजमार्ग नहीं है। ये रोड एक रेजिडेंशियल कॉलोनी रोड के हिसाब से काम आती है। साथ ही इस सड़क पर हैवी कमर्शियल ट्रैफिक, ट्रक या इंडस्ट्रियल ट्रैफिक का दबाव भी नहीं है। प्रशासन के इस सड़क को 40 फीट चौड़ाई करने से इलाके के कई परिवारों के पक्के मकान पूरी तरह से ध्वस्त हो जाएंगे। वहीं कई लोगों के आधे मकान टूट जाएंगे। ऐसे में प्रभावी परिवारों के पास अन्य कोई वैकल्पिक आवास नहीं होने से वे बेघर हो जाएंगे।

लोगों ने कहा- इससे गरीब परिवारों की रोजी-रोटी छिन जाएगी। महिलाएं बोलीं- अगर अधिकारियों ने बात नहीं मानी तो घर-दुकान की बजाय जान देने पर मजबूर होना पड़ेगा।

सड़क 30 फीट रखने की मांग

स्थानीय लोगों ने कहा- वर्षों से बसे मोहल्ले का अस्तित्व भी प्रभावित होगा। मानवीय, सामाजिक, तकनीकी व कानूनी दृष्टिकोण से विचार करते हुए प्रस्तावित 40 फीट सड़क को कम कर 30 फीट किया जाए, ताकि स्थानीय लोगों को ज्यादा नुकसान नहीं हो। साथ ही स्थानीय लोगों के आवास, आजीविका व सामाजिक संरचना की भी रक्षा हो सकेगी। इस दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी मौजूद रहे।

नीलम मुकेश को मिला नारी गौरव सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज

झुंझुनूं । शिक्षिका व लेखिका नीलम मुकेश वर्मा को जयपुर में नारी गौरव सम्मान मिला है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर डॉ. अंबेडकर उत्थान परिषद जयपुर द्वारा सर्व समाज नारी गौरव सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। निवाई पीपलू विधायक रामसहाय वर्मा की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में झुंझुनूं की शिक्षिका व लेखिका नीलम मुकेश वर्मा को शिक्षा, साहित्य व समाजसेवा में उत्कृष्ट योगदान के लिए नारी गौरव सम्मान-2026 से सम्मानित किया गया। इस दौरान आईएएस प्रकाशचंद चौहान, अनिल कुमार गोठवाल, डॉ. अंबेडकर उत्थान परिषद जयपुर के अध्यक्ष सुरेंद्र जलुथरिया, महासचिव महेश गठारिया, सचिव सुखराज वर्मा आदि मौजूद थे। इससे पहले सात मार्च को नीलम मुकेश वर्मा को भारतीय शिक्षा सेवा संस्थान व एसबीआई फतेहपुर ने भी नारी गौरव सम्मान से सम्मानित किया था।

टी20 विश्व कप जीत के बाद सूर्यकुमार यादव का अगला लक्ष्य ओलंपिक स्वर्ण पदक

एजेंसी, नई दिल्ली

टीम इंडिया के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप का खिताब जीतने के बाद अब अपना अगला बड़ा लक्ष्य तय कर लिया है। उन्होंने कहा कि टीम का अगला लक्ष्य ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतना और उसी साल होने वाला अगला टी20 विश्व कप जीतना है। अहमदाबाद में न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर खिताबी जीत के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में सूर्या ने कहा,"अब हमारा अगला लक्ष्य ओलंपिक है। ओलंपिक गोल्ड और उसी साल होने वाला टी20 विश्व कप भी। इसे भूलिए मत।" बता दें कि 2028 ग्रीष्मकालीन ओलंपिक अगस्त 2028 में लॉस एंजेलिस में आयोजित होंगे। वहीं टी20 विश्व कप का अगला संस्करण उसी साल ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में खेला जाएगा। सूर्यकुमार यादव के इस बयान से उनके भविष्य को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लग

गया है। इससे पहले रोहित शर्मा ने 2024 में टी20 विश्व कप जीतने के बाद अंतरराष्ट्रीय टी20 क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। सूर्यकुमार यादव ने कहा कि विश्व कप जीत का एहसास अभी पूरी तरह से महसूस नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, "अभी हम मैच से बाहर आए हैं, इसलिए इस जीत को पूरी तरह महसूस करने में थोड़ा समय लगेगा। जब हम घर जाएंगे और अगले दिन उठेंगे, तब शायद इस जीत का असली एहसास होगा। पिछले दो साल का सफर अविश्वसनीय रहा है।" भारत ने टूर्नामेंट में खेले गए नौ में से आठ मैच जीते। हालांकि शुरुआत आसान नहीं रही। टीम को पहले मैच में संयुक्त राज्य अमेरिका के खिलाफ संघर्ष करना पड़ा और सुपर-8 चरण में दक्षिण अफ्रीका से हार का सामना करना पड़ा। कप्तान ने कहा कि चेन्नई में जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच के बाद टीम ने अलग अंदाज का क्रिकेट खेलना शुरू किया और आत्मविश्वास बढ़ता गया। सूर्यकुमार यादव ने बताया कि 2024 के टी20 विश्व कप फाइनल में लिया गया उनका यादगार कैच उनके जीवन का टर्निंग प्वाइंट बना। उसी के बाद जब उन्हें कप्तानी मिली तो उन्होंने 2026 में भारत में होने वाले विश्व कप को लक्ष्य बनाकर टीम को तैयार करना शुरू किया। उन्होंने कहा कि टीम ने 2024 के बाद से आक्रामक और अलग अंदाज का क्रिकेट खेलना शुरू किया। इसी रणनीति के साथ भारत ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 भी जीती और अब घरेलू मैदान पर टी20 विश्व कप का खिताब अपने नाम किया। सूर्यकुमार यादव ने कहा, "हम इसी तरह आक्रामक क्रिकेट खेलते रहना चाहते हैं और 2027, 2028 और 2029 में भी यही रवैया जारी रहेगा।"

एएफसी एशियाई कप फुटबॉल में आज चीनी ताइपे से होगा भारतीय टीम का मुकाबला

एजेंसी, होबर्ट

ऑस्ट्रेलिया में जारी एएफसी महिला एशियाई कप फुटबॉल में भारतीय महिला फुटबॉल टीम मंगलवार को चीनी ताइपे से खेलेगी। भारतीय टीम के लिए ये मैच बेहद अहम है। उसे क्वार्टर फाइनल के लिए अपनी संभावनएं बनाये रखने के लिए ये अंतिम ग्रुप मैच दो गोल के अंतर से जीतना होगा। इसके अलावा कुछ अन्य परिणाम उसके अनुसार रहने की उम्मीद करनी होगी। भारतीय टीम के लिए हालांकि अपने से ऊंची रैंकिंग वाली चीनी ताइपे को हराना आसान नहीं होगा। चीनी ताइपे ने एक अन्य मैच में चीन को 1-0 से हराया है जिससे उसके लय में होने को अंदाजा होता है। भारतीय टीम अपने पहले मैच में वियतनाम से 1-2 से हार गयी थी। वहीं दूसरी मैच में उसे जापान से 11-0 से हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में उसे चीनी

ताइपे को हराने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। जापान के हाथों भारतीय टीम को 11-0 से हार का सामना करना पड़ा है। इस प्रकार शुरुआती दो मैच हाकर भारतीय टीम ग्रुप सी में अंतिम स्थान पर फिसल गयी है। अब भारतीय टीम को अर क्वार्टर फाइनल के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखनी है। तो उसे 10 मार्च को चीनी ताइपे के खिलाफ मुकाबले में बड़ी जीत हासिल करनी होगी। चीनी ताइपे ने एक अन्य मैच में चीन को 1-0 से हराया है जिससे उसके लय में होने को अंदजा होता है। भारतीय महिला फुटबॉल टीम जापान के खिलाफ मुकाबले में लय में नहीं दिखी। पूर्व चैंपियन जापान मैच शुरू के बाद ही हावी हो गयी। उसने शुरूआती हाफ में ही 5-0 की बढ़त के साथ ही अपनी जीत की संभावना पक्की कर ली। टीम ने दूसरे हाफ में भी छह गोल किये। जापान के खिलाफ इस मैच में भारतीय टीम कहीं भी मुकाबले में नहीं दिखी। इससे साफ है कि भारतीय टीम को अभी काफी सुधार की जरुरत है। दो बार की विजेता जापान ने मैच में अधिकतरा समय गेंद अपने पास रखी। वहीं चार महीने के बाद अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने उतरी भारतीय टीम पूरे मुकाबले में कही नहीं दिखी। जापान की ओर से युजुकी यामामोटो ने चौथे मिनट, युई हसेगावा ने 13वें, हिनाता मियाजावा ने 20वें, 35वें, 81वें, किको सेइके ने 45वें, 55वें, जबकि रिको उईकी ने 47वें, 50वें, 65वें और माया हिजिकाता ने 62वें मिनट में गोल किये। अब भारतीय टीम को अपनी आगे की संभावनाएं बनाये रखने के लिए अपने अंतिम ग्रुप मैच में चीनी ताइपे को कम से कम दो गोल के अंतर से हराना होगा।

धोनी ने गंभीर की प्रशंसा करते हुए कहा, आपकी मुस्कान शानदार लग रही

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने आईसीसी टी20 विश्वकप में भारतीय टीम की जीत के बाद मुख्य कोच गौतम गंभीर की प्रशंसा करते हुए उनके प्रति आभार जताया है। धोनी फाइनल के दौरान वीवीआईपी बॉक्स में पूर्व कप्तान रोहित शर्मा और आईसीसी चेयरमैन जय शाह के साथ बैठे थे। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा कर अपनी खुशी भी व्यक्त की है। धोनी ने लिखा, "कोच साहब, आपकी मुस्कान बहुत शानदार लग रही है। मुस्कान के साथ आपकी जीत कमाल की है, बहुत अच्छा किया।," गौरतलब है कि गंभीर की छवि काफी सख्त कोच की रही है और वह अपने नाम के अनुरुप हमेशा ही गंभीर मुद्रा में दिखते हैं। इसके अलावा धोनी से भी उनके

संबंध अच्छे नहीं माने जाते रहे हैं। धोनी ने इस बार गर्मजोशी से गंभीर के प्रति अपनी बात कही है। उन्होंने टीम में नए नेतृत्व के तहत हुए बदलाव को भी सही बताया। उन्होंने साथ ही लिखा, "अहमदाबाद में इतिहास बन गया। टीम, सहयोग स्टाफ और भारतीय क्रिकेट टीम के सभी प्रशंसकों को बहुत-बहुत बधाई। आप सभी को खेलते देखना बहुत खुशी की बात है।" "कोच साहब" वाली टिप्पणी मजाकिया अंदाज में गंभीर के लिए थी, जो गंभीर छवि के लिए जाने जाते हैं। धोनी की गंभीर की जीत के बाद मुस्कान पर की गई मजाकिया टिप्पणी से भी पता चलता है कि दोनों के बीच मतभेद की जो बातें आती रही हैं। वे सभी गलत हैं। सोशल मीडिया पर आम तौर पर गंभीर और धोनी को अच्छा दोस्त नहीं माना जाता पर इन दोनो ने ही कई बार उन्होंने इन अफवाहों को गलत साबित किया है। धोनी ने मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की भी प्रशंसा की है। बुमराह ने न्यूजीलैंड के शीर्ष क्रम को अपनी गेंदबाजी से ढ़हा दिया था। इसी को देखते हुए धोनी ने लिखाः "बुमराह के बारे में कुछ ना लिखूं तो ही अच्छा है चैंपियन गेंदबाज।" इससे साफ है कि बुमराह के बारे में कुछ भी लिखना बेकार है।

अभिषेक के लिए लकी साबित हुआ शिवम से उधार लिया बल्ला

एजेंसी, अहमदाबाद

भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने टी20 विश्वकप 2026 के खिलाफ मुकाबले में शानदार अर्धशतकीय पारी खेलकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई है। अभिषेक के लिए इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल तक के मैच अच्छे नहीं रहे थे। ऐसे में उनके ऊपर फाइनल में बड़ी पारी खेलने का दबाव था जिसमें वह सफल रहे पर क्या आप जानते हैं जिस बल्ले से अभिषेक ने ये आक्रामक पारी खेली वह उन्होंने शिवम दुबे से उधार लिया हुआ था जो उनके लिए लकी साबित हुआ। बल्ला बदलने की योजना अभिषेक ने मैच की सुबह की। एक रिपोर्ट के अनुसार , अभिषेक ने फाइनल जीतने के बाद कहा, आज मैंने शिवम दुबे के बल्ले से बल्लेबाजी की, इसलिए उसे धन्यवाद देता हुं। सुबह मुझे कुछ अलग करने का मन हुआ और मैंने ऐसा किया। अभिषेक ने केवल 18 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा कर लिया था और भारतीय टीम को

एक अच्छी शुरुआत दिलाई थी। वह 21 गेंदों में 52 रनों की पारी खेलकर पेवेलियन लौट पर तब तक भारतीय टीम को एक अच्छी शुरुआत मिल गयी थी। इस पारी से उनका आत्मविश्वास भी बढ़ा है। वहीं टूर्नामेंट की शुरुआत उनके लिए अच्छी नहीं रही थी। पहली तीन पारियों में तो वह शून्य पर ही आउट हो गये थे। चौथे मैच में भी केवल 15 रन ही बना पाये। एक मैच में जिम्बाब्वे के खिलाफ उन्होंने 55 रन बनाये पर सुपर 8 के आखिरी मैच में सिर्फ 10 रन बना सके। सेमीफाइनल में भी अभिषेक केवल 9 रन ही बना पाये। ऐसे में उन पर दबाव था कि फाइनल मैच में कुछ बड़ा करें जिसमें वह सफल रहे।

गंभीर ने ट्रॉफी जीतने पर खुशी जताते हुए आलोचकों को दिया करारा जवाब

मेरी जवाबदेही टीम के प्रति, द्रविड़ और लक्षमण के प्रति आभार जताया

एजेंसी, अहमदाबाद

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने टी20 विश्वकप जीतने के बाद खुशी जताते हुए कहा है कि उनका काम करने का तरीका अलग हैं, इसलिए वह कई लोगों को समझ में नहीं आता पर उनकी रणनीति स्पष्ट रहती है। साथ ही कहा कि उनकी उनकी जवाबदेही टीम और उन 30 लोगों के लिए है जिसके कारण वह कोच हैं। इसलिए बाहर या सोशल मीडिया पर क्या चल रहा है उससे उन्हें मतलब नहीं है। गंभीर ने कहा, 'मेरी जवाबदेही सोशल मीडिया पर लोगों के लिए नहीं है। मेरी जवाबदेही उन 30 लोगों के लिए है जो चेंज रूम में हैं।' गंभीर के कोच बनने के बाद से सही टीम ने तीन बड़ी ट्रॉफी जीती है हालांकि वह टेस्ट प्रारुप में अधिक सफल नहीं रही है। गंभीर ने कहा कि खिलाड़ियों ने मुझे वह कोच बनाया। साथ ही कहा कि वह ये ट्रॉफी पूर्व कोच राहुल द्रविड़ और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण को समर्पित करता हूं। साथ ही कहा कि द्रविड़ टीम को यहां तक लाये हैं जबकि लक्ष्मण ने सीओई में खिलाड़ियों को निखारा है। साथ ही कहा कि चयन समिति के प्रमुख अजीत अगरकर का भी में आभार जताता हूं। उन्होंने आलोचना झेलने के बाद भी ईमानदारी से काम किया है। साथ ही कहा कि बीसीसीआई के पूर्व

सचिव जय शाह ने भी सबसे खराब दौर में मुझसे बात की थी। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने जिस कुशलता से टीम को संभाला है उससे भी मेरा काम आसान हो गया। वह ऐसे कप्तान हैं जो सभी को साथ लेकर चलते हैं। उनका लक्ष्य ट्रॉफी जीतना रहा है निजी उपलब्धियों के पीछे वह नहीं जाते। . हम कई साल तक निजी उपलब्धियों से ही खुश हो गये जबकि हमारा ध्यान ट्रॉफी जीतने की खुशी मनाना रहना चाहिये। गंभीर के कार्यकाल में अब तब टीम ने दो-दो आईसीसी ट्रॉफी जीती हैं और ये उपलब्धि हासिल करने वाले वह एकमात्र कोच हैं। इसके अलावा भारतीय टीम ने एशिया कप भी जीता था। भारतीय टीम ने अब तीसरी बार टी20 विश्वकप जीता है। इस प्रकार वह अपनी धरती पर ये खिताब जीतने वाली पहली टीम है।

व्यापार

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार में कोहराम, सेंसेक्स और निफ्टी में जोरदार गिरावट

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट की वजह से दुनिया भर के शेयर बाजार में मचे कोहराम का असर आज घरेलू शेयर बाजार पर भी साफ-साफ नजर आ रहा है। भारतीय शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान जबरदस्त गिरावट का रुख बना हुआ है। आज के कारोबार की शुरुआत भी बड़ी गिरावट के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही पहले दो मिनट में ही लिवाली के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में तेजी का रुख बनता हुआ नजर आया, लेकिन इसके तुरंत बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये दोनों सूचकांक बड़ी गिरावट के शिकार हो गए। हालांकि खरीदार बीच-बीच में लिवाली का जोर बना कर बाजार को सहारा देने की कोशिश करते रहे, लेकिन अभी तक के कारोबार में बिकवाली का दबाव इतना अधिक है कि शेयर बाजार को कोई राहत मिलती हुई नजर नहीं आ रही है। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 2.79 प्रतिशत और निफ्टी 2.77 प्रतिशत टूट कर कारोबार कर रहे थे। 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से सिर्फ कोल इंडिया का शेयर मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहा था। दूसरी ओर, इंटरग्लोब एवियशन, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, श्रीराम फाइनेंस, टीएमपीवी और जियो फाइनेंशियल के शेयर 7.53 प्रतिशत से लेकर 4.70 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,761 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 218 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 2,543

शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल सभी 30 शेयर गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से सिर्फ एक शेयर हरे निशान में और 49 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 1,862.15 अंक की कमजोरी के साथ 77,056.75 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से पहले दो मिनट में ही यह सूचकांक उछल कर 77,333.85 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से पहले 15 मिनट के कारोबार में ही सेंसेक्स टूट कर 76,424.55 अंक के स्तर तक गिर गया। इसके बाद खरीदारों ने एक बार फिर लिवाली का जोर बनाने की कोशिश की, जिससे इस सूचकांक की स्थिति में मामूली सुधार होता हुआ नजर आया। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 2,202.53 अंक की गिरावट के साथ 76,716.37 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 582.40 अंक लुढ़क कर 23,868.05 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही लिवाली का सपोर्ट मिलने पर यह सूचकांक ओपनिंग लेवल से 90 अंक से अधिक उछल कर 23,959.70 अंक तक पहुंच गया, लेकिन इसके बाद चौतरफा बिकवाली शुरू हो गई। इस बिकवाली की वजह से पहले 15 मिनट के कारोबार में ही निफ्टी 23,697.80 अंक के स्तर तक गिर गया। इसके बाद खरीदारों ने एक बार फिर लिवाली का जोर बनाने की कोशिश की, जिससे इस सूचकांक की स्थिति में मामूली सुधार होता हुआ नजर आया। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद निफ्टी 676.45 अंक की कमजोरी के साथ 23,774 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को सेंसेक्स 1,097 अंक यानी 1.37 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 78,918.90 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 315.45 अंक यानी 1.27 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,450.45 अंक के स्तर पर शुक्रवार के कारोबार का अंत किया था।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की घटी कीमत

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सांकेतिक गिरावट का रुख नजर आ रहा है। कीमत में आई मामूली गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,63,640 रुपये से लेकर 1,63,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,49,990 रुपये से लेकर 1,50,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी आज 2,84,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,63,790 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,50,140 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,63,640 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,49,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर

बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,63,690 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,50,040 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,63,640 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,49,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,63,640 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,49,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,63,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,50,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,63,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,50,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,63,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,50,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,63,790 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,50,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में सांकेतिक गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,63,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

पश्चिम एशिया में युद्ध का असर, कच्चा तेल 114 डॉलर प्रति बैरल के पार

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के कारण वैश्विक तेल बाजार में भारी उथल-पुथल देखने को मिल रही है। तेल की सप्लाई और शिपिंग प्रभावित होने से कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल आया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत साढ़े तीन साल बाद पहली बार 114 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गई। युद्ध के कारण सप्लाई को लेकर बढ़ती अनिश्चितता ने बाजारों में चिंता बढ़ा दी है। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड आयल की कीमत शिकागो मर्केंटाइल एक्सचेंज में कारोबार शुरू होने के बाद 107.97 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई। वहीं अमेरिकी कच्चा तेल वेस्ट

टेक्सेज इंटरमीडियट (डब्ल्यूटीआई) करीब 106.22 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार करता देखा गया, जो शुक्रवार के बंद भाव 90.90 डॉलर की तुलना में लगभग 16.9 प्रतिशत ज्यादा है। पिछले एक सप्ताह में ही अमेरिकी कच्चे तेल की कीमत लगभग 36 प्रतिशत और ब्रेंट कच्चे तेल की कीमत करीब 28 प्रतिशत बढ़ चुकी है। तेल बाजार में उछाल का मुख्य कारण पश्चिम एशिया में बढ़ता सैन्य तनाव है। खासतौर पर स्ट्रेट आफ होर्मुज में जहाजों की आवाजाही प्रभावित होने से सप्लाई पर दबाव बढ़ गया है। यह समुद्री मार्ग दुनिया की कुल तेल सप्लाई का लगभग 20 प्रतिशत संभालता है और हर दिन करीब 1.5 करोड़ बैरल तेल इसी रास्ते से भेजा जाता है। इरान के मिसाइल और ड्रोन हमलों के खतरे के कारण तेल टैंकरों की आवाजाही लगभग रुक गई है। इस रास्ते से सउदी अरबिया, कुबैत, इराक, कतर, बहरीन और यूनाइटेड अरब अमीरात जैसे देशों का तेल और गैस निर्यात होता है। निर्यात में रुकावट के कारण कुछ देशों ने उत्पादन भी कम कर दिया है क्योंकि उनके भंडारण टैंक तेजी से भर रहे हैं।

पश्चिम एशिया संकट की रुपये पर गिरी गाज, सबसे निचले स्तर पर पहुंची भारतीय मुद्रा

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच कच्चे तेल की कीमत में आई जोरदार तेजी की वजह से भारतीय मुद्रा रुपये पर दबाव काफी बढ़ गया है। आज भारतीय मुद्रा ने डॉलर की तुलना में बड़ी गिरावट के साथ कारोबार की शुरुआत की और थोड़ी ही देर में अभी तक के सबसे निचले स्तर 92.35 रुपये प्रति डॉलर तक गिर गई। इसके पहले पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को रुपये ने डॉलर के मुकाबले 91.74 के स्तर पर कारोबार का अंत किया था। रुपये ने आज के कारोबार की शुरुआत भी बड़ी गिरावट के साथ की थी। इंटर बैंक फॉरेन

एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले 46 पैसे की कमजोरी के साथ 92.20 रुपए प्रति डॉलर के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। बाजार खुलने के बाद कच्चे तेल की कीमत में 25 प्रतिशत तक की उछाल ने मार्केट सेंटीमेंट्स पर काफी नकारात्मक असर डाला, जिसकी वजह से भारतीय मुद्रा 61 पैसे गिर कर अभी तक के सबसे निचले स्तर 92.35 रुपये प्रति डॉलर के स्तर तक आ गई। हालांकि, इसके बाद रुपये की स्थिति में मामूली सुधार भी हुआ। दोपहर एक बजे तक का कारोबार होने के बाद भारतीय मुद्रा 52 पैसे की कमजोरी के साथ 92.26 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर कारोबार कर रही थी। मुद्रा बाजार के अभी तक के कारोबार में रुपये ने डॉलर के साथ ही दूसरी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मुद्राओं ब्रिटिश पौंड (जीबीपी) और यूरो के मुकाबले भी के मुकाबले भी कमजोर प्रदर्शन किया। दोपहर एक बजे के कारोबार के बाद ब्रिटिश पौंड (जीबीपी) की तुलना में रुपया 81.95 पैसे की कमजोरी के साथ 123.06 के स्तर पर पहुंच गया था।

मीशो को आयकर विभाग से मिला 1,500 करोड़ रुपये का मांग नोटिस

नई दिल्ली। ई-कॉमर्स कंपनी मीशो को आयकर विभाग से लगभग 1,500 करोड़ रुपये की कर मांग का नोटिस मिला है। कंपनी ने इस नोटिस को चुनौती देने का निर्णय लिया है। ई-कॉमर्स कंपनी मीशो ने सोमवार को शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि उसे छह मार्च को आकलन वर्ष 2023-24 के लिए आयकर विभाग से यह नोटिस मिला। इसमें विभाग की आकलन इकाई ने ब्याज सहित कुल 1,499.73 करोड़ रुपये की कर मांग रखी है। यह कर मांग कंपनी की घोषित आय में कुछ बढ़ोतरी और समायोजन को आधार बनाते हुए जारी किया गया है। नियामकीय सूचना के मुताबिक मीशो ने कहा कि वह इस आकलन आदेश की समीक्षा कर रही है और उसमें की गई टिप्पणियों और समायोजनों से सहमत नहीं है। कंपनी ने कहा कि हमारा मानना है कि कंपनी के पास इसे चुनौती देने के लिए पर्याप्त कानूनी एवं तथ्यात्मक आधार हैं और अपने हितों की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठा रहे हैं। कंपनी ने बताया कि आकलन वर्ष 2022-23 के लिए भी इसी तरह की कर मांग रखी गई थी।

The Kerala Story 2 में अदा शर्मा को नहीं किया गया कास्ट, अब एक्ट्रेस ने कही ये बड़ी बात

बॉलीवुड एक्ट्रेस अदा शर्मा साल 2023 में विपुल अमृतलाल शाह द्वारा प्रोड्यूस की गई फिल्म 'द केरल स्टोरी' में नजर आई थीं. फिल्म को डायरेक्ट किया था सुदिप्तो सेन ने. अब लगभग तीन सालों के बाद अमृतलाल शाह ने डायरेक्टर कामाख्या नारायण सिंह के साथ मिलकर 'द केरल स्टोरी 2' बनाई है. सुदिप्तो सेन ने ये सीक्वल फिल्म डायरेक्ट नहीं की है. उनके साथ-साथ अदा शर्मा भी इस फिल्म का हिस्सा नहीं हैं. पहले पार्ट में उनका लीड रोल था, लेकिन इस बार उन्हें कास्ट नहीं किया गया. फिल्म में कास्टिंग न होने के सवाल पर अब अदा ने रिएक्ट किया है.

फर्स्ट पोस्ट के साथ बातचीत में अदा शर्मा से जब 'द केरल स्टोरी 2' में कास्टिंग को लेकर सवाल हुआ, उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें फिल्म का ऑफर मिला था? तो इस सवाल का जवाबे देते हुए उन्होंने कहा, मुझे सीक्वल में रोल का ऑफर मिला था या नहीं, इस बारे में बातचीत मेकर्स और एक्टर्स के बीच में ही रहना चाहिए. इस

बारे में पब्लिक में बात नहीं की जानी चाहिए. यानी अदा को फिल्म में काम करने का ऑफर मिला था या नहीं, इस बारे में उन्होंने कुछ बताने से इनकार कर दिया.

अदा शर्मा ने ये बात भी कही

इस बारे में बात करते हुए कि क्या फैंस उन्हें सीक्वल फिल्म में मिस कर रहे हैं, इसपर अदा ने कहा, ऑडियंस मुझे लेकर काफी बायस हैं. वो मुझे काफी ज्यादा पसंद करते हैं. मैं बहुत लकी हूं कि वो मुझे हर फिल्म में देखना पसंद करते हैं.'द करल स्टोरी 2' 27 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है.

अदा शर्मा की फिल्म ने कितनी कमाई की थी ?

इस बार फिल्म में अदिति भाटिया, ऐश्वर्या ओझा और उल्का गुप्ता को लिया गया है. इस फिल्म को अपने पहले पार्ट की तरह रिस्पॉन्स नहीं मिल रहा है. 7 दिनों में 'द केरल स्टोरी 2' ने सिर्फ 22.34 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है.

फिल्म के पहले पार्ट ने अपने बजट से 20 गुना ज्यादा कमाई की थी. 'द केरल स्टोरी' सिर्फ 15 करोड़ रुपये में बनी थी और दुनियाभर से उस फिल्म ने 302 करोड़ रुपये अपने नाम कर लिए थे. हालांकि, दूसरे पार्ट का यहां तक पहुंचना काफी मुश्किल लग रहा है.

शाहरुख खान छोड़िए, अब एक्शन मोड में सुहाना खान, 100 लोगों के बीच 8 दिन तक क्या किया?

शाहरुख खान की 2023 के बाद से ही कोई भी फिल्म रिलीज नहीं हुई है. जी हां, वो 2023 के किंग बन गए थे, जब 'पठान' और 'जवान' से 1000 करोड़ से ज्यादा का कारोबार किया. इस साल वो वापसी करने जा रहे हैं, उनकी जिस फिल्म का सबको बेसब्री से इंतजार है, वो KING है. फिल्म को 24 दिसंबर, 2026 को रिलीज किया जाना है. जिसके लिए शाहरुख तेजी से तैयारी भी कर रहे हैं. जबकि, यह सुहाना खान की थिएट्रिकल फिल्म है. फिल्म से एक्टर का

सॉल्ट एंड पेपर लुक सामने आ चुका है, जिसमें शाहरुख को देखकर फैन्स खुश हो गए. इसी बीच फिल्म का मुंबई में ही शूट चल रहा था, जिसे लेकर एक तगड़ा अपडेट सामने आ गया है.

दरअसल शाहरुख खान की 'किंग' में कई एक्टर्स एक साथ दिखने वाले हैं. जिसमें शाहरुख, सुहाना के अलावा राघव जुयाल, रानी मुखर्जी, अरशद वारसी, दीपिका पादुकोण, अभिषेक बच्चन, अनिल कपूर और अक्षय ओबेरॉय भी शामिल है. जबकि, कुछ दिनों पहले ही जानकारी मिली थी कि रानी मुखर्जी के साथ शाहरुख और सुहाना कोई फ्लैशबैक सीन शूट करने वाले हैं. जहां अभिषेक बच्चन भी मौजूद रहेंगे. अब और तगड़े सीक्वेंस के बारे में जानकारी मिल गई है.

शाहरुख की 'किंग' को लेकर क्या अपडेट मिला ?

हाल ही में एक न्यूज वेबसाइट पर रिपोर्ट छपी. जिससे पता लगा कि, भयंदर के एलोरा स्टूडियो में 8 दिन तक एक एक्शन शेड्यूल पूरा किया गया. यह सीक्वेंस विजयादशमी सेलिब्रेशन के बैकग्राउंड में शूट किया गया है. जिसके लिए एक बड़ा सेट डिज़ाइन किया गया था. जानकारी के मुताबिक, यह पूरा सीन विजयादशमी पर शूट हुआ है, जिसका स्केल बढ़ा है और खूब एनर्जी भी देखने को मिलेगी. वहीं, ढोल, रंगों और विसर्जन वाले दिन दिखने वाले जोश के साथ फिर से इसे शूट किया है. शाहरुख और सुहाना ने 8 रातों तक सैकड़ों बैकग्राउंड परफॉर्मर्स की भारी भीड़ के साथ शूटिंग की.

दरअसल इस सीक्वेंस में सुहाना खान ने कई स्टंट भी किए हैं. दरअसल यह पहला मौका है, जब शाहरुख खान अपनी बेटी के साथ स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे. हालांकि, यह पहले पूरी तरह से सुहाना की ही फिल्म थी, जब इसे सुजॉय घोष बना रहे थे. लेकिन फिर रातों-रात डायरेक्टर बदल गया और फिलहाल सिद्धार्थ आनंद ही डायरेक्ट कर रहे हैं. हालांकि, अब लीड रोल में शाहरुख खान है और अभिषेक बच्चन को विलेन बनाया गया है. पर फिलहाल शाहरुख खान के लुक के अलावा और किसी की भी तस्वीरें सामने नहीं आई है.

नए गाने ने बढ़ाई बादशाह की मुश्किलें, हरियाणा महिला आयोग ने भेजा समन

इंटरटेनमेंट इंडस्ट्री कॉन्ट्रोवर्सी से भरी है, आए दिन कोई न कोई किसी विवाद में फंसा होता है. अब पंजाबी सिंगर और रैपर बादशाह भी अपने विवादों को लेकर चर्चा में आ गए हैं. अपने गानों और आवाज के जरिए लोगों के दिलों में जगह बनाने वाले बादशाह की कमाल की फैन फॉलोइंग है. हाल ही में सिंगर का नया गाना 'टटिहरी' रिलीज हुआ है, जिसके बाद से वो अपने नए गाने को लेकर विवाद में फंस गए हैं. हरियाणा महिला आयोग की तरफ से उन्हें समन भेजा गया है और जवाब मांगा गया है.

बॉलीवुड रैपर-सिंगर बादशाह का हाल ही में एक गाना रिलीज हुआ है, जिसका टाइटल टटिहारी है, ये एक हरियाणवी फोक सॉन्ग है. लेकिन, गाना रिलीज होने के बाद से हरियाणा महिला आयोग की तरफ से गाने की लाइन्स पर आपत्ति जताई गई है और साथ ही म्यूजिक वीडियो के एक सीन को लेकर भी सवाल किया गया है. सिंगर रैपर बादशाह को हरियाणा राज्य महिला की तरफ से समन जारी किया है, जिसमें पक्ष रखने के लिए 13 मार्च को आयोग के समक्ष पेश होने को कहा है.

गाने को लेकर क्या है शिकायत ?

पानीपत की नारी तू नारायणी संस्था की अध्यक्ष सविता आर्य और शिव आरती फाउंडेशन के प्रमुख शिव कुमार की शिकायत पर महिला आयोग ने ये नोटिस जारी किया है. इसके अलावा रोहतक के एडवोकेट राज नारायण पंघाल ने भी राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग को शिकायत भेजी है. शिकायत में बादशाह के रैप सॉन्ग की लाइन 'आया बादशाह डोली चढ़ाने, इन सबकी घोड़ी बनाने' पर आपत्ति उठाई गई है. शिकायत में कहा गया है कि इस गाने में गंदी शब्दावली का इस्तेमाल किया गया है.

बादशाह को देनी होगी सफाई

इतना ही नहीं साथ ही गाने की वीडियो में स्कूल ड्रेस में नाबालिग बच्चियों को हरियाणा रोडवेज की बस पर चढ़ कर स्कूल बैग के साथ नाचते और स्कूल बैग फेंकते हुए दिखाया गया है. पूरे मामले को लेकर सहारण खाप ने भी ऐतराज दर्ज करवाया है. अब बादशाह को इस मामले में सफाई देनी होगी. बादशाह का ये गाना 1 मार्च को रिलीज हुआ है, 5 दिन पहले रिलीज हुए इस गाने पर 4.2 मिलियन व्यूज हैं.

थियेटर छोड़िए, OTT पर देख डालिए जान्हवी कपूर की ये 5 फिल्में, दो तो रही हैं बड़ी हिट

बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री में पिछले आधे दशक में जितनी भी एक्ट्रेस आई हैं उसमें चुनिंदा ऐसी एक्ट्रेस हैं जिन्होंने बॉक्स ऑफिस पर भी सफलता का स्वाद चखा है साथ ही लोगों के दिलों में जगह भी बनाई है. एक्ट्रेस जान्हवी कपूर ने भी अपनी मां श्रीदेवी की तरह ही अभिनय की दुनिया में हाथ आजमाया और बॉलीवुड समेत साउथ जगत तक भी अपनी पहुंच स्थापित की. एक्ट्रेस ने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी हाथ आजमाया. कभी अपने अभिनय से तो कभी फैशन सेंस से फैंस को एंटरटेन किया और उनकी फेवरेट बन गई. एक्ट्रेस का फिल्मी सफर 7-8 साल का हो चुका है साथ ही उनकी उम्र भी अब 29 साल की हो चुकी है.

धड़क

ये जान्हवी कपूर की डेब्यू फिल्म थी जो साल 2018 में रिलीज की गई थी. फिल्म की खास बात ये थी कि ये मराठी फिल्म सैराट का रीमेक थी. फिल्म में जान्हवी के अपोजिट ईशान खट्टर नजर आए थे. इस फिल्म को थियेटर में अच्छा रिस्पॉन्स मिला था साथ ही ओटीटी पर भी इसकी खूब तारीफ हुई थी. फिल्म के बाद जान्हवी कपूर के पास कई फिल्मों के ऑफर्स आए थे. फिल्म में इंटर कास्ट मैरिज जैसे इश्यू को दिखाया गया था और ये रोमांस के साथ एक्शन से भी भरपूर थी. इस फिल्म को आप प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं.

उलझ

उलझ फिल्म की बात करें तो इस फिल्म के जरिए मेकर्स ने एक्ट्रेस पर भरोसा जताया था और इसमें उनका लीड रोल था. लेकिन फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर दर्शकों ने सिरे से नकार दिया था. इसके अलावा फिल्म में राजेश तैलंग, आदिल हुसैन, गुल्शन दैवैया, सचिन खेडेकर और साक्षी तंवर जैसे कलाकारों ने अभिनय किया था. एक्ट्रेस ने इसमें लंदन में ड्रुस्नस अफसर का रोल प्ले किया था. फिल्म को आप नेटफ्लिक्स प्लेटफॉर्म पर देख सकते हैं.

गुंजन सक्सेना बायोपिक

इस फिल्म को फैंस अभी भी जान्हवी कपूर के अब तक के करियर की सबसे अच्छी परफॉर्मेंस मानते हैं. ये एक बायोपिक फिल्म थी जिसमें जान्हवी ने इंडियन एयरफोर्स की अफसर गुंजन सक्सेना का रोल प्ले किया था.

फिल्म की स्टोरी को लेकर कुछ कॉन्ट्रोवर्सी भी हुई थी लेकिन पब्लिक ने इसे पसंद किया था. फिल्म पहले सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी लेकिन कोविड के चलते इसे सीधा ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज किया गया था. अभी भी इसे आप नेटफ्लिक्स पर देख सकते हैं.

फ्लाइट में युवक ने सुलगा ली बीड़ी, यात्रियों में फैली दहशत, गोवा में केस दर्ज

गोवा (एजेंसी)। अकासा एयर की दिल्ली से गोवा जा रही एक फ्लाइट के टॉयलेट के अंदर बीड़ी पीने का मामला सामने आया है। इस घटना के बाद संबंधित यात्री के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार, आरोपी यात्री की इस हरकत से विमान में सवार अन्य यात्रियों और क्रू मेंबर की सुरक्षा को खतरा पैदा हो गया था, काफी देर तक यात्रियों में दहशत रही। जानकारी के मुताबिक यह घटना शनिवार को हुई, जब दिल्ली निवासी आशीष दिल्ली से गोवा जा रही फ्लाइट संख्या क्यूपी 1625 में यात्रा कर रहा था। उड़ान के दौरान आरोपी विमान के टॉयलेट में गया और वहां बीड़ी पीने लगा। कुछ देर बाद क्रू मेंबर को इसकी जानकारी मिली, जिसके बाद जांच करने पर यात्री के पास एक लाइटर भी बरामद हुआ। एयरलाइन की शिकायत के अनुसार विमान के भीतर धूम्रपान करना सख्त रूप से प्रतिबंधित है। टॉयलेट में बीड़ी पीने और लाइटर रखने से विमान और उसमें मौजूद यात्रियों की सुरक्षा को गंभीर खतरा हो सकता था। क्रू मेंबर ने तुरंत तय सुरक्षा प्रक्रियाओं का पालन करते हुए स्थिति को नियंत्रित किया और घटना की सूचना संबंधित अधिकारियों को दी। विमान के मनोहर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचने के बाद आरोपी यात्री को पुलिस के हवाले कर दिया गया। इसके बाद गोवा पुलिस ने भारतीय न्याय सहिंता और नागरिक उड्डयन सुरक्षा से जुड़े प्रावधानों के तहत मामला दर्ज कर लिया। अधिकारियों का कहना है कि विमान के भीतर इस तरह की गतिविधियां बेहद गंभीर मानी जाती हैं, क्योंकि इससे यात्रियों और विमान की सुरक्षा पर सीधा असर पड़ सकता है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपी से पूछताछ की जा रही है। एयरलाइन ने भी कहा है कि वह जांच में पूरा सहयोग कर रही है।

बांग्लादेश में उस्मान हादी की मौत के दो आरोपी पश्चिम बंगाल से पकड़ाए

-मेघालय सीमा से भारत में घुसे थे और बंगाल के बोंगांव में छिपे थे

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल पुलिस की एसटीएफ ने बांग्लादेशी नेता उस्मान हादी की हत्या के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान राहुल उर्फ फैसल करीम मसूद (37) और आलमगीर हुसैन (34) के रूप में हुई है। दोनों मेघालय सीमा से अवैध रूप से भारत में घुसे थे और पश्चिम बंगाल के बोंगांव में छिपे थे। आरोपी सही मौके का इंतजार कर रहे थे, ताकि दोबारा बांग्लादेश लौट सकें, लेकिन इससे पहले ही एसटीएफ ने छापेमारी कर दोनों को दबोच लिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राहुल बांग्लादेश के पटुआखाली का निवासी है, जबकि आलमगीर ढाका का रहने वाला है। पुलिस ने मामला दर्ज कर दोनों आरोपियों को रविवार को कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि पूरे मामले की विस्तृत जांच की जा रही है और पता लगाया जा रहा है कि आरोपियों के भारत में दाखिल होने में किसी स्थानीय नेटवर्क की भूमिका तो नहीं थी। बता दें उस्मान हादी को ढाका में 12 दिसंबर को गोली मारी गई थी, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। वह रिक्शे पर जा रहे थे तभी बाइक सवार हमलावर ने उन्हें गोली मारी थी। बाद में इलाज के दौरान सिंगापुर में 18 दिसंबर को उनकी मौत हो गई थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हमले से कुछ घंटे पहले उस्मान हादी ने ग्रेटर बांग्लादेश का एक मैप शेयर किया था, इसमें भारतीय इलाके शामिल थे।

ज्वाला ने दिया 5 शावकों को जन्म

श्योपुर (एजेंसी)। श्योपुर के कूनो नेशनल पार्क से खुशखबरी आई है। नामीबियाई मादा चीता ज्वाला ने 9 मार्च को 5 स्वस्थ शावकों को जन्म दिया है। इसके साथ ही अब भारत में चीतों की कुल संख्या बढ़कर 53 हो गई है। सोमवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोशल मीडिया के माध्यम से इस जानकारी को साझा करते हुए इसे प्रोजेक्ट चीता और वन्यजीव संरक्षण की दिशा में ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। उन्होंने लिखा- कूनो में आने के बाद ज्वाला ने यहां के वातावरण को पूरी तरह अपना लिया है और वह पार्क की सबसे सफल मादा चीताओं में शुमार हो गई है। ज्वाला (पूर्व नाम सियाया) उन आठ चीतों में शामिल थी, जिन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सितंबर 2022 में कूनो में छोड़ा था। यह ज्वाला का तीसरा प्रसव है। इससे पहले उसने मार्च 2023 में पहली बार 4 शावकों को जन्म दिया था, जिनमें से केवल एक- मुखी ही जीवित बचा था। जनवरी 2024 में 3 शावकों को जन्म देने के बाद अब 9 मार्च 2026 को तीसरी बार 5 शावकों को जन्म दिया है।

दिल्ली से मैनचेस्टर की इंडिगो फ्लाइट बीच रास्ते से लौटी

इथियोपिया बॉर्डर से प्लेन ने यू टर्न लिया; जंग के कारण आखिरी मिनट में एयरस्पेस बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली से मैनचेस्टर जा रही इंडिगो की फ्लाइट 7 घंटे उड़ने के बाद वापस लौट आई। इंडिगो के एक अधिकारी ने बताया कि फ्लाइट 6ई33 ने इथियोपिया और इरिट्रिया के बॉर्डर के पास यू-टर्न लिया और अब दिल्ली वापस आ गई। अधिकारी ने बताया कि मिडिल ईस्ट में चल रही जंग की वजह से आखिरी मिनट में एयरस्पेस पर रोक लग गई। जिसके बाद पायलट को बीच रास्ते से लौटने का फैसला लेना पड़ा। यह एयरक्राफ्ट सोमवार सुबह दिल्ली से यूनाइटेड किंगडम के शहर के लिए निकला था। ये 26 फरवरी के बाद इंडिगो की पहली दिल्ली-मैनचेस्टर फ्लाइट थी। लंबे समय का रूट कुछ समय बाद फिर से शुरू हुआ था। नॉर्मल हालात में फ्लाइट को लगभग 11 घंटे लगते हैं। फ्लाइट ट्रैकिंग सर्विस के मुताबिक, नॉर्स की इंडिगो फ्लाइट 6ई33 ने इथियोपिया और इरिट्रिया के बॉर्डर के पास यू-टर्न लिया और अब दिल्ली वापस जा रही है। डेटा से पता चलता है कि वेस्ट एशिया में एक्टिव कॉनिफ्लिक्ट जोन से बचने के लिए बनाए गए रूट के बावजूद, एयरक्राफ्ट लगभग सात घंटे उड़ने के बाद वापस लौट आया। एयरक्राफ्ट ने अदन की खाड़ी और अफ्रीका के कुछ हिस्सों से होते हुए एक अजीब दक्षिणी रूट अपनाया था, और इस इलाके में ईरान-इजराइल के बढ़ते तनाव के बीच मिडिल ईस्ट के ज्यादातर एयरस्पेस को बाइपास कर दिया था। एक बयान में, इंडिगो के एक स्पोक्सपर्सन ने कहा कि एयरलाइन को आखिरी समय में एयरस्पेस पाबंदियां लगाए जाने के बाद यह फैसला लेना पड़ा।

बिहार की सियासत: भाजपा तलाश रही नया सीएम, नीतीश से नहीं छोड़ा जा रहा पटना

पटना (एजेंसी)। बिहार की मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अब दिल्ली की डगर पर चल पड़े हैं, पर उन्हे बिहार बहुत प्रिय है। शायद यही वजह है कि उन्होंने भावुक होकर कहा कि वे भले ही दिल्ली जा रहे है लेकिन पैनी नजर बिहार पर रखेंगे। सियासी पंडित इसके मायने निकाल रहे हैं। उनका मानना है कि नीतीश का बिहार में दखल रहेगा। आए दिन विवादों की झलक देखने को मिल सकती है। वहीं भाजपा ऐसे सीएम की तलाश में है जो बिहार को पूरी तरह अपनी गिरफ्त में ले सके।

सबसे अहम सवाल बिहार के अगले मुख्यमंत्री को लेकर है। बिहार के राजनीतिक इतिहास में यह पहली बार होगा जब भारतीय जनता पार्टी का अपना मुख्यमंत्री राज्य की कमान संभालेगा। जेडीयू और भाजपा के बीच सत्ता की भागीदारी का फॉर्मूला लगभग तय हो चुका है, जिसके तहत दोनों दलों को मंत्रिमंडल में बराबर की हिस्सेदारी मिलेगी। मुख्यमंत्री पद के लिए भाजपा के थिंक टैंक में सम्राट चौधरी, नित्यानंद राय, संजीव चौरसिया और दिलीप जायसवाल जैसे नामों पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। पार्टी एक ऐसे चेहरे की तलाश में है जो संगठन और सरकार चलाने के अनुभव के साथ-साथ बिहार के जटिल जातीय समीकरणों में भी पूरी तरह फिट बैठ सके। बीजेपी के लिए यह फैसला चुनौतीपूर्ण है क्योंकि उसे नीतीश कुमार जैसे कद्दावर व्यक्तित्व का विकल्प पेश करना है। पार्टी को एक ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता है जो हिंदुत्व के एजेंडे और गठबंधन की राजनीति के बीच संतुलन बना सके। सुशील कुमार मोदी के निधन के बाद राज्य में एक बड़े सर्वमान्य चेहरे की कमी खली है, जिसे भरने के लिए बीजेपी अब किसी लंबी रेस के घोड़े पर दांव लगाना चाहती है। सम्राट चौधरी, जो ओबीसी समाज से आते हैं, वर्तमान में एक मजबूत दावेदार के रूप में उभरे हैं।

बिहार की राजनीति एक ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ी है, जहां मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के फैसले ने सत्ता परिवर्तन की पटकथा लिख दी है। नीतीश कुमार के इस कदम के साथ ही उनके पुत्र निशांत कुमार की जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) में आधिकारिक तौर पर एंट्री हो गई है। रविवार को जेडीयू की सदस्यता ग्रहण करने के बाद यह माना जा रहा है कि नीतीश कुमार ने निशांत को अपना सियासी वारिस घोषित कर दिया है और उन्हें भविष्य की सरकार में उपमुख्यमंत्री के तौर पर बड़ी जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। नीतीश कुमार के इस फैसले का जेडीयू के भीतर काफी विरोध भी हुआ, लेकिन उन्होंने भावुक होकर पार्टी विधायकों को समझाया कि वे भले ही दिल्ली जा रहे हैं, परंतु बिहार की हर गतिविधि पर उनकी पैनी नजर बनी रहेगी। नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने और निशांत कुमार के राजनीति में आने से बिहार के सियासी गलियारों में हलचल तेज है। अब सबकी निगाहें दिल्ली और पटना के बीच होने वाली अंतिम दौर की बैठकों पर टिकी हैं कि आखिर वह कौन सा चेहरा होगा जो बिहार की सत्ता की कमान संभालेगा। बीजेपी के लिए यह न केवल सरकार बनाने का अवसर है, बल्कि 2030 तक अपनी राजनीतिक जमीन को अटूट बनाने की एक बड़ी अग्निपरीक्षा भी है।

देश में 33,577 बच्चे हुए लापता, पश्चिम बंगाल सबसे ऊपर तो मध्यप्रदेश दूसरे स्थान पर, कुछ राज्यों में एक मामला भी दर्ज नहीं

-महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की रिपोर्ट में हुआ खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की रिपोर्ट के ताजा आंकड़ों ने देश में बच्चों के लापता होने की गंभीर समस्या को उजागर किया है। मंत्रालय की 'मिसिंग चिल्ड्रन' रिपोर्ट के अनुसार 1 जनवरी 2025 से 31 जनवरी 2026 के बीच पूरे देश में 33,577 बच्चे लापता हुए। इनमें से 25,800 बच्चों को ढूंढ लिया गया है, जबकि 7,777 बच्चे अब भी लापता हैं। रिपोर्ट के मुताबिक सबसे ज्यादा मामले पश्चिम बंगाल से सामने आए हैं। यहां कुल 19,145 बच्चों के गुम होने की शिकायत दर्ज हुई। इनमें से 15,465 बच्चों को बरामद कर लिया गया, जबकि 3,680 बच्चे अभी भी लापता हैं।

इस मामले में दूसरे स्थान पर मध्यप्रदेश है, जहां 4,256 बच्चे लापता हुए। इनमें से 3,197 बच्चों को ढूंढ लिया गया, जबकि 1,059 बच्चों का अब तक कोई पता नहीं चल पाया है। इसके अलावा कई अन्य राज्यों में भी बच्चों के लापता होने के मामले दर्ज किए गए हैं। हरियाणा में 2,209 बच्चे लापता हुए, जिनमें से 353 अभी भी नहीं मिले हैं। केरल में 1,696 बच्चों के गुम होने की रिपोर्ट दर्ज हुई, जिनमें से 778 अब तक लापता हैं। वहीं ओडिशा में 1,624 बच्चों के लापता होने के मामले सामने आए, जिनमें से 1,088 बच्चों का अभी तक पता नहीं चल पाया है।

इन राज्यों में कोई मामला नहीं

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि कुछ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में बच्चों के गुम होने की कोई शिकायत दर्ज नहीं हुई। इनमें नागालैंड, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, त्रिपुरा, गुजरात, लक्षद्वीप और दादरा और नगर हवेली शामिल हैं।

लापता से ज्यादा बरामद हुए बच्चे

रिपोर्ट में यह भी स्पष्ट किया गया है कि कई राज्यों में बरामद बच्चों की संख्या लापता बच्चों से अधिक है। इसका कारण यह है कि कई बार एक राज्य से लापता हुए बच्चे दूसरे राज्यों में बरामद होते हैं। उदाहरण के तौर पर महाराष्ट्र, लद्दाख और तमिलनाडु में बरामद बच्चों की संख्या दर्ज मामलों से अधिक है।

विदेश मंत्री के बयान को विपक्ष ने बताया अपर्याप्त, मांग ठुकराए जाने पर किया वॉकआउट

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव को लेकर सोमवार को संसद के उच्च सदन में जोरदार हंगामें की स्थिति बन गई। कांग्रेस सहित विपक्षी दलों ने इस मुद्दे पर विस्तृत चर्चा की मांग की, लेकिन राज्यसभा में चर्चा की अनुमति न मिलने के बाद विपक्ष ने विरोध जताते हुए वॉकआउट कर दिया। कांग्रेस ने विदेश मंत्री के बयान को अपर्याप्त बताते हुए सरकार से तत्काल चर्चा कराने की मांग की है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि विदेश मंत्री ने राज्यसभा में स्थिति पर स्वतः संज्ञान लेते हुए वक्तव्य दिया, लेकिन उस पर सवाल पूछने या स्पष्टीकरण मांगने का अवसर नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि संपूर्ण विपक्ष पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति पर तत्काल चर्चा चाहता था, लेकिन इसे अस्वीकार कर दिया गया। इसी के विरोध में विपक्षी सांसदों ने सदन से वॉकआउट किया। इससे पहले विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और उसके प्रभावों को लेकर सदन में बयान दिया। उन्होंने कहा कि भारत का स्पष्ट रुख है कि क्षेत्र में शांति, संवाद और कूटनीति की प्रक्रिया फिर से शुरू होनी चाहिए। उन्होंने सभी पक्षों से संयम बरतने, तनाव कम करने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की। विपक्ष विदेश मंत्री के बयान से असंतुष्ट नजर आया और उच्च सदन से वाकआउट कर गया।

बिना चर्चा के बस बयान पढ़ देना गलत, विदेश मंत्री जयशंकर पर नाराज थरूर

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोमवार को मिडिल ईस्ट के हालात पर संसद में बयान जारी किया। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पश्चिम एशिया में बदलते हालात पर करीब से नजर रख रहे हैं। गल्फ देशों में बड़ी संख्या में भारतीय नागरिक रहते हैं। ताजा हालात को देखकर उन्हें सुरक्षित भारत लाने का ऑपरेशन तेजी से जारी है। हालांकि, मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस जयशंकर के बयान से संतुष्ट नहीं है। पार्टी ने दो टूक कहा कि पश्चिम एशिया के मुद्दे पर वे चर्चा चाहते हैं। वहीं इस मामले पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने प्रतिक्रिया दी है।

थरूर ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष पर विदेश मंत्री जयशंकर के बयान को लेकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि उनका बयान सुना है, लेकिन हम इस मुद्दे पर चर्चा चाहते हैं। यह एक बेहद महत्वपूर्ण मुद्दा है। देश इससे बुरी तरह प्रभावित है। हमारी ऊर्जा सुरक्षा खतरे में है।

थरूर ने कहा कि सोमवार सुबह तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर चली गई। कतर से गैस की आपूर्ति पूरी तरह से बंद कर दी गई है। फिलहाल कतर से हमारे कारखानों को भारत में गैस नहीं मिल रही है। हम पूर्वी देशों से गैस प्राप्त कर सकते हैं।

थरूर ने कहा कि परसों ही एलपीजी की कीमत में 60 रुपये की बढ़ोतरी हुई, और निश्चित रूप से, पेट्रोल भी महंगा होगा। इसलिए यह सब हमारे देश के लिए एक गंभीर समस्या बनने वाला है। इसके बाद हमें सरकार से एक बहुत ही जिम्मेदार और सक्रिय दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता की उम्मीद है।

थरूर ने कहा कि सदन में बिना चर्चा के बस बयान पढ़ देना गलत है। यही वजह है कि जयशंकर के बयान पर कांग्रेस पार्टी ने नाराजगी जाहिर की है। थरूर ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय नियमों को लेकर कई अहम सवाल हैं। संसद ऐसी जगह है जहां इन मुद्दों पर चर्चा हो सकती है। हम ये नहीं कह रहे कि हम सरकार हैं।

करूर भगदड़ मामले में सीबीआई ने अभिनेता विजय को फिर किया तलब

पहले भी दो बार हो चुकी है पूछताछ, घटना में 41 लोगों की हुई थी मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। करूर भगदड़ मामले की जांच कर रही सीबीआई ने अभिनेता और तमिलगा वेत्री कझगम के प्रमुख विजय को एक बार फिर पूछताछ के लिए तलब किया है। एजेंसी ने उन्हें नया नोटिस जारी कर 10 मार्च को पेश होने के लिए कहा है। सीबीआई सूत्रों के मुताबिक यह पूछताछ करूर में 27 सितंबर 2025 को हुई भगदड़ की घटना से जुड़ी है। इस हादसे में 41 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 60 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। घटना के बाद से ही इस मामले की गंभीरता को देखते हुए इसकी जांच सीबीआई को सौंपी थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जांच एजेंसी इससे पहले भी फिल्म अभिनेता विजय से दो बार पूछताछ कर चुकी है। पहली बार उनसे 12 जनवरी को और दूसरी बार 19 जनवरी को इस मामले में पूछताछ की थी। अब मामले से जुड़े कुछ अतिरिक्त तथ्यों और सबूतों को लेकर एजेंसी उनसे फिर पूछताछ करना चाहती है। जांच अधिकारियों के मुताबिक करूर में आयोजित एक बड़े सार्वजनिक कार्यक्रम में अचानक भारी भीड़ उमड़ने से भगदड़ मच गई थी। मौके पर सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन की व्यवस्था पर्याप्त नहीं होने के कारण स्थिति तेजी से बिगड़ गई। इस घटना में बड़ी संख्या में लोग दब गए, जिससे कई लोगों की मौत हो गई और कई गंभीर रूप से घायल हुए थे। रिपोर्ट के मुताबिक सीबीआई इस बात की जांच कर रही है कि कार्यक्रम के आयोजन, सुरक्षा व्यवस्था और भीड़ नियंत्रण के लिए जिम्मेदार लोगों की भूमिका क्या थी और कहीं लापरवाही या नियमों के उल्लंघन के कारण यह हादसा तो नहीं हुआ। कार्यक्रम से जुड़े कई व्यक्तियों से पूछताछ की जा रही है। सूत्रों के मुताबिक एजेंसी कार्यक्रम के आयोजन से जुड़े दस्तावेज, अनुमति प्रक्रिया और सुरक्षा इंतजामों की भी बारीकी से जांच कर रही है। करूर भगदड़ मामले ने पूरे राज्य में गहरा असर डाला था और घटना के बाद सुरक्षा व्यवस्थाओं तथा बड़े आयोजनों में भीड़ प्रबंधन को लेकर गंभीर सवाल उठे थे।

नीतीश कुमार का परिवारवाद पर यू-टर्न, बेटे निशांत की राजनीति में एंट्री से उठे सवाल

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजनीति में दशकों तक वंशवाद के प्रखर विरोधी रहे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक ऐसा कदम उठाया है, जिसने उनके राजनीतिक सिद्धांतों पर सवालिया निशान लगा दिए हैं। अपने पूरे संसदीय जीवन में लालू यादव और कांग्रेस के परिवारवाद की आलोचना करने वाले नीतीश ने आखिरकार अपने बेटे निशांत कुमार को राजनीति के मैदान में उतारने की अनुमति दे दी है। शनिवार को निशांत ने जनता दल (यूनाइटेड) की सदस्यता ग्रहण कर ली, जिसके बाद बिहार के सियासी गलियारों में यह चर्चा तेज हो गई है कि क्या नीतीश भी अब उसी राह पर चल पड़े हैं, जिसका वे विरोध करते आए थे।

आज वही नीतीश कुमार अपने ही पुराने बयानों के घेरे में हैं। आलोचकों का कहना है कि बेटे के मोह में नीतीश ने अपने जीवन भर की राजनीतिक शुचिता और सिद्धांतों की कमाई को एक झटके में दांव पर लगा दिया है। अब उनके पास राजद या कांग्रेस के परिवारवाद पर हमला करने का नैतिक आधार कम होता दिख रहा है। निशांत कुमार की जेडीयू में एंट्री केवल एक नए नेता का आगमन नहीं है, बल्कि बिहार की उस एंटी-फैमिली राजनीति के एक बड़े अध्याय का अंत भी माना जा रहा है, जिसकी कमान कभी नीतीश कुमार ने संभाली थी। नीतीश कुमार हमेशा से खुद को जननायक कर्पूरी ठाकुर का सच्चा अनुयायी बताते रहे हैं। कर्पूरी ठाकुर ने अपने जीवनकाल में परिवार के किसी सदस्य को राजनीति में आने नहीं दिया था। नीतीश ने भी सालों तक इसी उसूल का पालन किया और अपने परिवार को सत्ता के गलियारों से दूर रखा। पिछले एक साल से निशांत को राजनीति में लाने की मांग उठ रही थी, लेकिन नीतीश की चुप्पी को उनकी ना माना जा रहा था। मगर अचानक खुद राज्यसभा जाने की चर्चा और बेटे को बिहार की सियासत में सक्रिय करने के फैसले ने विरोधियों को आलोचना का बड़ा अवसर दे दिया है।

समाजवादी विचारधारा के ध्वजवाहक माने जाने वाले नीतीश कुमार अक्सर यह कहते रहे हैं कि परिवारवाद लोकतंत्र के लिए हानिकारक है। उन्होंने सार्वजनिक मंचों से कई बार कांग्रेस और राजद पर तीखे प्रहार किए। साल 2017 में जब राहुल गांधी ने अमेरिका में वंशवाद को भारतीय राजनीति की वास्तविकता बताया था, तब नीतीश ने इसका पुरजोर विरोध किया था। उन्होंने तर्क दिया था कि राजनीतिक परिवार में जन्म लेने मात्र से कोई शासन के योग्य नहीं हो जाता और गैर-परिवारवादी नेता हमेशा बेहतर प्रदर्शन करते हैं।

ईरान में फंसे जम्मू-कश्मीर के सैकड़ों छात्र, अभिभावकों ने लगाई सरकार से गुहार

-आर्मेनिया सीमा के रास्ते सुरक्षित बाहर निकालने का दिया सुझाव

श्रीनगर (एजेंसी)। ईरान में जारी जंग के बीच वहां कश्मीर के सैकड़ों छात्रों की सुरक्षा को लेकर उनके परिवार चिंतित हैं। हालात बिगड़ने की खबरों के बीच अभिभावकों और फंसे हुए छात्रों ने केंद्र सरकार से उन्हें जल्द वापस लाने की मांग की है। उन्होंने सुझाव दिया है कि छात्रों को आर्मेनिया सीमा के रास्ते सुरक्षित बाहर निकाला जाए। अभिभावकों के प्रतिनिधिमंडल ने कश्मीर के मंडलायुक्त से भी मुलाकात कर ईरान के कई विश्वविद्यालयों में पढ़ रहे अपने बच्चों की सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंताओं से अवगत कराया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अभिभावकों ने प्रशासन से अनुरोध किया कि वह इस मामले को तुरंत विदेश मंत्रालय के सामने उठाएं और छात्रों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करे। मंडलायुक्त ने आश्वासन दिया कि प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है और संबंधित अधिकारियों के संपर्क में है। उन्होंने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों के कारण सुरक्षित वापसी में कुछ समय लग सकता है, लेकिन प्रयास किए जा रहे हैं। एक अभिभावक ने कहा कि ईरान की स्थिति बेहद गंभीर है और यहां परिवारों पर भारी मानसिक दबाव है। छात्रों के माता-पिता न तो ठीक से सो पा रहे हैं और न ही किसी काम पर ध्यान दे पा रहे हैं। हम सरकार से अपील करते हैं कि जल्द से जल्द हमारे बच्चों को वापस लाया जाए।

एक अन्य अभिभावक ने बताया कि कई देशों ने अपने नागरिकों को ईरान से निकालना शुरू कर दिया है और भारत सरकार से भी इसी तरह की त्वरित कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि अजरबैजान जैसे देशों ने अपने नागरिकों को सुरक्षित निकाल लिया है। भारत सरकार को भी तुरंत कदम उठाने चाहिए क्योंकि बच्चों की सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। ईरान के विभिन्न शहरों में पढ़ रहे छात्रों ने भी हालात को तनावपूर्ण और डरावना बताया है।

आल इंडिया मेडिकल स्टूडेंट्स एसोसिएशन के राष्ट्रीय प्रतिनिधि और जम्मू-कश्मीर अध्यक्ष डॉ. मोहम्मद मोमिन खान ने भारत में ईरान के राजदूत मोहम्मद फतहाली से मुलाकात कर ईरान में पढ़ रहे भारतीय छात्रों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई। उन्होंने राजदूत से भारतीय छात्रों की सुरक्षित वापसी में सहयोग करने और संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करने का अनुरोध किया। डॉ. मोमिन के मुताबिक भारतीय दूतावास ने छात्रों को पड़ोसी देश आर्मेनिया तक पहुंचने में लाजिस्टिक सहायता देने की पेशकश की है जिसे मौजूदा हालात में अपेक्षाकृत सुरक्षित माना जा रहा है। हालांकि आर्मेनिया से भारत तक की आगे की यात्रा का प्रबंध छात्रों को स्वयं करना होगा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित,
मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com